मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | ग्वालियर, गुरुवार 17 सितंबर 2026 | वर्ष-08, अंक-156, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

झीरम घाटी नक्सली हमले में 10 दोषियों को फांसी की सजा: 29 लोगों की हत्या पर 13 साल बाद फैसला

रायपुर। झीरम घाटी हत्याकांड मामले में जगदलपुर की एनआईए कोर्ट ने 10 दोषियों को फांसी की सजा सुनाई है। 25 मई 2013 को कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा के काफिले पर नक्सली हमला हुआ था। इसमें कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, महेंद्र कर्मा और पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल समेत 29 लोगों की मौत हुई थी। करीब 13 साल चली सुनवाई के दौरान 101 गवाहों के बयान दर्ज किए गए और दस्तावेजों को रिकॉर्ड पर लिया गया। जज ने अपने फैसले में कहा है कि आदेश की पुष्टि हाईकोर्ट करेगा। दोषियों को 30 दिन के अंदर हाईकोर्ट में अपील करने का अधिकार है। अभियोजन पक्ष ने दोषियों के लिए फांसी की सजा की मांग की थी, जबकि बचाव पक्ष ने सजा कम करने की दलील दी थी।

प्रमिला मोडियाम, सुमित्रा पुनेम, कोसा कवासी, मुक्का मांडवी, मड़कामी देवा, आयत मरकाम, बजामी सेना, चैतू लेकाम, जोगा मड़कामी, महादेव नागा। सभी दोषी अभी केंद्रीय जेल में बंद हैं। अदालत ने कुल 11 आरोपियों के खिलाफ सुनवाई की थी। मुकदमे के दौरान एक आरोपी की मौत हो गई थी, जिसके बाद अदालत ने शेष 10 आरोपियों के खिलाफ सुनवाई जारी रखी। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने वर्ष 2015 में लगभग 1000 पन्नों का आरोप पत्र अदालत में पेश किया था। अभियोजन पक्ष ने आरोपियों का दोष साबित करने के लिए पूरी सुनवाई के दौरान 101 गवाहों के बयान दर्ज कराए थे। इधर, एनआईए की विशेष अदालत से दोषियों को मृत्युदंड की सजा मिलने के बाद अब मामले की अगली कानूनी प्रक्रिया पर सबकी निगाहें हैं। आरोपी पक्ष फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील दायर कर सकता है।

बीते 15 सालों से शहडोल की बास्केटबॉल टीम ने किया बेहतरीन प्रदर्शन

शहडोल है खेल की दुनिया का उभरता सितारा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 70वीं शालेय राज्यस्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता के शुभारंभ को वीसी से संबोधित कर खिलाड़ियों को दीं शुभकामनाएं

एक सत बुलेटिन, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारे प्रदेश के जनजातीय अंचल यह साबित कर रहे हैं कि प्रतिभा शहरों की ही मोहताज नहीं होती। शहडोल, जिसकी पहचान मिनी ब्राजील के रूप में है, आज उसी शहडोल में बास्टकेटबॉल का कुंभ सजा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शहडोल खेल की दुनिया का उभरता हुआ सितारा है। यहां का विचारपुर गांव आज फुटबॉल की नर्सरी और 'मिनी ब्राजील' के रूप में देश-दुनिया में अपनी पहचान बना चुका है। फुटबॉल, क्रिकेट, एथलेटिक्स, कबड्डी और वॉलीबॉल के साथ बास्केटबॉल भी जिले के युवाओं के बीच लोकप्रिय हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विचारपुर जैसे आदिवासी अंचल से खिलाड़ियों का प्रशिक्षण लेकर राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचना यह साबित करता है कि प्रतिभा गांवों और छोटे क्षेत्र में भी मौजूद है। शहडोल ने खेलो एमपी और यूथ गेम्स जैसी राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में अपनी मजबूत भागीदारी दर्ज कराई है। शहडोल ने प्रदेश को अनेक प्रतिभाशाली खिलाड़ी दिए हैं, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई और भावी खिलाड़ियों को प्रेरणा देने का काम किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन से शहडोल जिले में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा कराई जा रही 70वीं शालेय राज्यस्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता के शुभारंभ समारोह को वीसी से संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शहडोल संभाग का बास्केटबॉल से पुराना और गौरवशाली रिश्ता रहा है, यहां के अनेक खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश का नाम रौशन किया है। खिलाड़ियों के पास संसाधन भले सीमित थे, लेकिन

उनका बास्केटबॉल के प्रति उत्साह कम नहीं था। इसी जुनून का परिणाम है कि आज शहडोल में तीन बास्केटबॉल कोर्ट उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 15 वर्षों में शहडोल की बास्केटबॉल टीम ने राज्य स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन किया है। राष्ट्रीय स्कूली बास्केटबॉल प्रतियोगिताओं में भी शहडोल के खिलाड़ियों ने पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि शालेय खेल प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में बाल्यकाल से ही स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, अनुशासन और टीम भावना विकसित करने का एक सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि खेल शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन मात्र न होकर बच्चों के व्यक्तित्व, आत्मविश्वास और निर्णय क्षमता को निखारने का महत्वपूर्ण साधन भी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जब कोई युवा खिलाड़ी मैदान में पसीना बहाता है, तो वह आगे चलकर सिर्फ. अपना नहीं, पूरे देश-प्रदेश-जिले का नाम रौशन करता है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी संभागों से प्रतियोगिता में भाग लेने पहुंचे शालेय बास्केटबॉल खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। उल्लेखनीय है कि इस प्रतियोगिता में प्रदेश के 10 संभागों के 17 वर्ष तक की आयु के कुल 240 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 2023-24 में उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद वर्ष 2024-25 में शहडोल को राष्ट्रीय स्तर की बास्केटबॉल प्रतियोगिता की मेजबानी मिली थी। यह पूरे जिले के लिए अत्यंत गौरव की बात है। मुख्यमंत्री ने युवा खिलाड़ियों से कहा कि मैदान में उतरना ही जीत की पहली सीढ़ी है। इसलिए हारने-जीतने की भावना से कम खेलने और सीखने की भावना से ज्यादा खेले। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले वर्षों में देश में खेलों को लेकर एक नया उत्साह आया है। आज भारत खेलों में जीतने के लिए मैदान में उतरने वाला देश बन चुका है। ओलंपिक, एशियन गेम्स और विश्व चैंपियनशिप जैसे बड़े मंचों पर हमारे खिलाड़ी लगातार देश का गौरव बढ़ा रहे हैं। खेलो इंडिया और फिट इंडिया अभियानों से गांव और छोटे शहरों की प्रतिभाएं भी आगे आ रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी करेगा और 2036 ओलंपिक की मेजबानी की दिशा में भी प्रयासरत है। मध्यप्रदेश के खिलाड़ी भी भारत का प्रतिनिधित्व करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पहली बार 'खेलो एम.पी. यूथ गेम्स' का सफल आयोजन हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आने वाले वर्ष 2027 को मध्यप्रदेश में 'युवा वर्ष' के रूप में मनाया जाएगा, जिसमें शिक्षा, कौशल, रोजगार, स्टार्टअप, खेल और नेतृत्व विकास पर विशेष ध्यान रहेगा। उन्होंने सभी खिलाड़ियों से आहवान किया कि मिल-जुलकर खेलिए और एक-दूसरे का हौसला बढ़ाइए।

स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने भी वीसी के जरिए खिलाड़ियों को संबोधित कर शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपत्तिया उइके, अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय श्री नीरज मंडलोई, सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. संजय गोयल एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

शहडोल में हो रही स्पर्धा के मुख्य कार्यक्रम स्थल में विधायक जैतपुर श्री जयसिंह मरावी, जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री प्रभा मिश्रा, जनपद अध्यक्ष सोहागपुर सुश्री हीरावती कोल, नगर पालिका अध्यक्ष श्री घनश्याम जायसवाल, सुश्री अनीता चपरा सहित अन्य जनप्रतिनिधि स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में खिलाड़ी एवं खेलप्रेमी उपस्थित थे।

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में लैंडस्लाइड

बिहार में 50 लाख लोग बाढ़ में घिरे: लखीमपुर में 7 मकान नदी में बहे

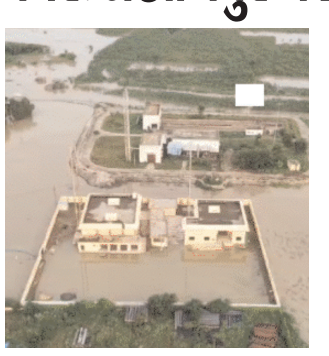

एजेन्सी, नई दिल्ली

बिहार के 15 जिलों की 575 पंचायतों में करीब 50 लाख की आबादी अभी भी बाढ़ के पानी से घिरी हुई है। कटिहार में सरकारी स्कूल और कोचिंग सेंटर बाढ़ के पानी में डूब गए हैं। बच्चे नाव में बैठकर पढ़ रहे हैं। प्रदेश के 26 जिलों बारिश का यलो अलर्ट है। आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी भी जारी की गई है।

यूपी में बारिश से नदियां उफान पर हैं। 26 जिलों में बाढ़ के हालात हैं। करीब 4 लाख की आबादी प्रभावित है। वहीं, लखीमपुर में शारदा नदी का कटान तेज होने से 24 घंटे में 7 मकान नदी में समा गए हैं।

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ के आदि कैलाश मार्ग पर दोबाट में लैंडस्लाइड से सड़क फिर बंद हो गई। रुद्रप्रयाग में केदारनाथ पैदल मार्ग पर चीरबासा के पास सुरक्षा के मद्देनजर यात्रियों को हेलमेट पहनाकर भेजा जा रहा है। चार दिन पहले लैंडस्लाइड में कई घोड़े-खच्चर मारे गए थे। रास्ते में पड़े शवों से बदबू और सांस लेने में परेशानी की शिकायतें सामने आ रही हैं।

राजस्थान के 26 जिलों में 17 सितंबर तक बारिश का यलो अलर्ट है। मंगलवार को अजमेर, पाली समेत कुछ अन्य जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। वहीं, मध्य प्रदेश के पश्चिमी इलाकों में 17 से 19 सितंबर तक और 18 से 21 सितंबर तक पूर्वी हिस्से में बारिश हो सकती है।

यूपीआई: वित्त मंत्रालय ने किया साफ

२000 से ज्यादा के भुगतान पर एमडीआर लगाने के फैसले में विदेशी दबाव नहीं

एजेन्सी, नई दिल्ली

2,000 से अधिक के कुछ यूपीआई व्यापारी लेन-देन पर 0.4 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू करने के फैसले को लेकर उठे सवालों के बीच वित्त मंत्रालय ने बुधवार को स्पष्ट किया कि इस निर्णय के पीछे किसी तरह का विदेशी प्रभाव नहीं है। मंत्रालय ने कहा कि यूपीआई से जुड़े नीतिगत फैसले भारत अपने स्तर पर लेता है।

मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यह दावा गलत है कि यूपीआई पर एमडीआर लगाने का फैसला किसी विदेशी दबाव के कारण लिया गया है। सरकार का उद्देश्य एक ऐसा डिजिटल भुगतान तंत्र तैयार करना है, जो लंबे समय तक टिकाऊ, समावेशी और किफायती बना रहे।

वित्त मंत्रालय के अनुसार, 2,000 तक के मर्चेंट भुगतान और छोटे व्यापारियों के लिए तय जीरो-एमडीआर व्यवस्था के तहत आने वाले लेन-देन पर कोई एमडीआर नहीं लगेगा। मंत्रालय का कहना है कि करीब 96 प्रतिशत P2M लेन-देन नए प्रावधान से प्रभावित नहीं होंगे। यूपीआई क्यूआर के जरिए हर महीने 1 लाख तक भुगतान प्राप्त करने वाले छोटे व्यापारियों को भी नए एमडीआर से छूट जारी रहेगी। इसमें स्ट्रीट वेंडर्स, मोहल्ले की दुकानें और अन्य छोटे कारोबारी शामिल हैं।

सरकार ने रोलबैक की संभावना से किया इनकार

इससे पहले सरकारी सूत्रों ने कहा कि एमडीआर लागू करने के फैसले पर पुनर्विचार का सवाल नहीं है। एक वरिष्ठ अधिकारी से जब इसे वापस लेने की संभावना के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि फैसला लिया जा चुका है और इसे पलटने का सवाल नहीं है।

जरूरी सेवाओं और कैपिटल मार्केट के लिए अलग दर

रेलवे, टेलीकॉम, बीमा और ईंधन जैसे जरूरी क्षेत्रों में 2,000 से अधिक के लेन-देन पर प्रति ट्रांजेक्शन 5 का फ्लैट एमडीआर लागू होगा। वहीं म्यूचुअल फंड, सिक्योरिटीज और स्टॉकब्रोकर से जुड़े भुगतान के लिए एमडीआर 0.02 प्रतिशत रखा गया है, जिसकी अधिकतम सीमा 300 प्रति लेन-देन होगी। नए प्रावधान के तहत 15 अक्तूबर 2026 से 2,000 से अधिक के पात्र पर्सन-टू-मर्चेंट (P2M) यूपीआई भुगतान पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लागू होगा।

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा....

सत्य निकेतन बिल्डिंग हादसा लापरवाही का नतीजा

एजेन्सी, नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को सुनवाई के दौरान कहा कि सत्य निकेतन में हॉस्टल की बिल्डिंग गिरना सामान्य हादसा नहीं था। चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय और जस्टिस तेजस करिया की बेंच ने कहा कि 4 छात्र छोटे शहरों से करियर बनाने की उम्मीद लेकर दिल्ली आए थे। कुछ लोगों के लापरवाह और आपराधिक रवैए ने उनके सपने तोड़ दिए।

सत्य निकेतन में दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ कैंपस के पास लड़कों के लिए 5 मंजिला पेइंग-गेस्ट हॉस्टल था। 6 सितंबर को मरम्मत के दौरान यह इमारत गिर गई थी। मलबे में दबने से 7 लोगों की मौत हुई थी। कई घायल भी हुए थे। एडीशनल सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने बताया कि घटना के बाद अधिकारियों ने कई कदम उठाए हैं। इनमें छात्रों के लिए हॉस्टल बनाना भी

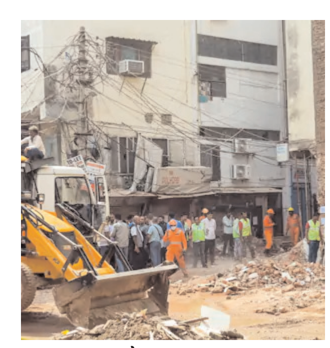

शामिल है। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने कहा कि अधिकारियों ने घटना के बाद कई कदम उठाए हैं। इनमें छात्रों के लिए जमीन और अन्य सुविधाओं की पहचान कर उन्हें अलग रखना भी शामिल है।

बेंच ने कहा, ₹हॉस्टल की कमी कोई नई समस्या नहीं है। इसके बारे में कौन नहीं जानता। स्टूडेंट्स पढ़ाई के लिए दिल्ली आ रहे हैं। देखिए, क्या हो गया। कोर्ट सत्य निकेतन हादसे की स्वतंत्र जांच की मांग वाली PIL पर सुनवाई कर रहा था।

'उभरती तकनीक में शुरूआती लीडर बने भारत'

पीएम मोदी बोले- उद्योग और सरकार मिलकर बढ़ाएं कदम

एजेन्सी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत को उभरती तकनीकों के क्षेत्र में शुरूआती अग्रणी देशों में शामिल होने का लक्ष्य रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसा नीतिगत माहौल देने के लिए प्रतिबद्ध है, जो स्थिर और जरूरत के मुताबिक तेजी से प्रतिक्रिया देने वाला हो। प्रधानमंत्री ने यहां प्रमुख कंपनियों के सीईओ के साथ सेमीकंडक्टर राउंडटेबल बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने भारत के तकनीकी भविष्य को आकार देने में सरकार और सेमीकंडक्टर उद्योग के बीच करीबी सहयोग को महत्वपूर्ण बताया।

एआई और क्वांटम कंप्यूटिंग पर जोर

पीएम मोदी ने कहा कि भारत के पास प्रतिभा, तकनीक को तेजी से अपनाने और बुनियादी ढांचे की मजबूत नींव है। उन्होंने उद्योग जगत से स्किलिंग, इनोवेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी उभरती तकनीकों में अधिक सक्रिय भागीदारी की अपील की।

प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, मोदी ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में हुई प्रगति का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यह इकोसिस्टम अब शुरूआती बुनियादी प्रयासों से आगे बढ़कर बड़े स्तर पर विस्तार और नए अवसरों के चरण में पहुंच रहा है।

तकनीक के साथ बदलती रहें नीतियां

प्रधानमंत्री ने सरकार की नीतियों को लेकर कहा कि एक स्थिर और जवाबदेह नीतिगत माहौल जरूरी है। साथ ही, तकनीक में बदलाव और उद्योग की जरूरतों के अनुसार नीतियों को भी विकसित होना चाहिए। उन्होंने उद्योग जगत के नेताओं से नीतिगत और प्रशासनिक उपायों को लेकर सुझाव देने को कहा। पीएम मोदी ने भरोसा दिलाया कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र को और मजबूत करने के लिए आगे की नीति बनाने में इन सुझावों पर उचित विचार किया जाएगा।

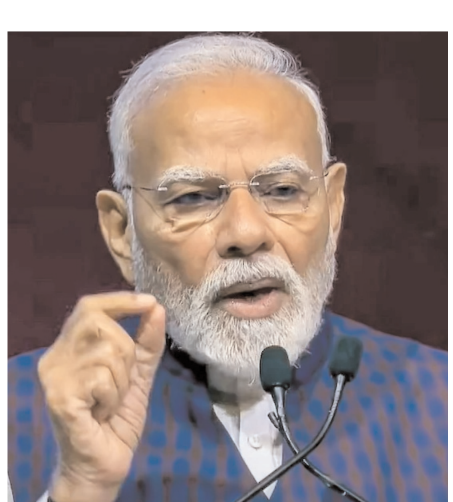

सेमीकंडक्टर सेक्टर की अगली पारी में उद्योग की भागीदारी

पीएम ने उद्योग जगत से भारत के सेमीकंडक्टर विकास के अगले चरण में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया। बैठक में शामिल सीईओ ने भी भारत में सेमीकंडक्टर क्षमता विकसित करने के लिए सरकार के प्रयासों की सराहना की। कंपनियों के प्रमुखों ने मैन्युफैक्चरिंग, डिजाइन, बुनियादी ढांचे और प्रतिभा विकास के क्षेत्र में हुई प्रगति का उल्लेख किया। उन्होंने इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (ISM) 2.0 के तहत सामने आ रहे अवसरों को लेकर भरोसा जताया।

पूरी सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन विकसित करने पर जोर

सीईओ ने कहा कि भारत में सेमीकंडक्टर की पूरी वैल्यू चेन तैयार करने की क्षमता है। इसमें मैन्युफैक्चरिंग, रिसर्च एंड डेवलपमेंट, एडवांस्ड टेक्नोलॉजी और इससे जुड़ी सहायक इंडस्ट्री शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने एआई में एक करोड़ लोगों को प्रशिक्षित करने के लक्ष्य का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत की प्रतिभा और वैश्विक कंपनियों के अनुभव व क्षमताओं के मेल से बड़े अवसर पैदा हो सकते हैं।

कई बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधि रहे मौजूद

बैठक में SEMI, माइक्रोन, इनफिनियन, एप्लाइड मैटेरियल्स, ASML, मर्क, टोक्यो इलेक्ट्रॉन लिमिटेड, फूजीफिल्म, AMD, इंटेल, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, लैम रिसर्च, रैपिडस, NXP, फॉक्सकॉन, सेमीकंडक्टर डिवाइस, एडवांटेस्ट, सेलेस्टा कैपिटल, CG पावर और IBM रिसर्च समेत कई संगठनों के सीईओ, प्रमुख और प्रतिनिधि शामिल हुए। कंपनियों के प्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व और समर्थन की सराहना करते हुए कहा कि हाल के वर्षों में हुई प्रगति ने उद्योग की आगे की भागीदारी के लिए मजबूत आधार तैयार किया है। उन्होंने भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी सेमीकंडक्टर और टेक्नोलॉजी हब बनाने में योगदान देने की प्रतिबद्धता जताई।

न्यूज ब्रीफ

छात्रसंघ चुनाव कार्यक्रम में जल्द जारी करने की मांग

जबलपुर। लंबे अंतराल के बाद प्रस्तावित छात्रसंघ चुनाव को लेकर प्रक्रिया तेज करने की मांग उठने लगी है। युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव एवं छात्रसंघ चुनाव के याचिकाकर्ता अदनान अंसारी के नेतृत्व में छात्र प्रतिनिधिमंडल ने उच्च शिक्षा विभाग द्वारा छात्रसंघ चुनाव का रोडमैप तैयार करने के लिए गठित समिति के सदस्य एवं अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा विभाग, जबलपुर संभाग प्रो. अलकेश चतुर्वेदी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उच्च न्यायालय के आदेश का समयबद्ध पालन सुनिश्चित करते हुए छात्रसंघ चुनाव की अंतिम मार्गदर्शिका और निर्वाचन कार्यक्रम शीघ्र सार्वजनिक करने की मांग की गई। प्रतिनिधिमंडल का कहना है कि सितंबर माह आधा बीत चुका है, लेकिन अभी तक अंतिम नियमावली और चुनाव कार्यक्रम सामने नहीं आया है।

हार्पिक पीने से 6 साल की मासूम बच्ची की मौत

जबलपुर। माढ़ोताल थाना अंतर्गत खजरी खिरिया क्षेत्र में हार्पिक का सेवन करने से एक 6 वर्षीय मासूम बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। माढ़ोताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार, खजरी खिरिया बायपास निवासी कृष्णकुमार बर्मन की 6 वर्षीय पुत्री कुमारी शानू बर्मन ने गलती से हार्पिक का सेवन कर लिया था। इससे उसकी तबीयत अचानक गंभीर रूप से बिगड़ गई। बच्ची को तुरंत उपचार के लिए पिता कृष्णकुमार बर्मन द्वारा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान बीती रात करीब 11:40 बजे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद से परिवार में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है।

सदाचार ताबीज, नाटक ने बच्चों से खोली ढोंग व भ्रष्टाचार की पोल

जबलपुर। जब पूरे विश्व में 600 भाषाओं पर खतरे की घंटी बज रही है उस समय हिंदी विश्वसनीयता, सुदृढ़ता व अडिगता के साथ खड़ी हुई है। इसका कारण करोड़ों लोगों का हिंदी के प्रति अपनत्व है और वे इसका हर तरह से उपयोग कर रहे हैं। तदाशय के विचार महाकोशल महाविद्यालय के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. अरुण शुक्ल ने मध्यप्रदेश विद्युत परिवार हिंदी समिति के तत्वावधान में शक्ति?भवन स्थित केन्द्रीय ग्रंथालय में आयोजित हिंदी प्रश्न मंच प्रतियोगिता के आयोजन के अवसर पर व्यक्त किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यपालक निदेशक मानव संसाधन व प्रशासन एवं हिंदी समिति के अध्यक्ष फिरोज कुमार मेश्राम ने की। इस अवसर पर पावर मैनेजमेंट कंपनी के अतिरिक्त मुख्य महाप्रबंधक अनुराग नायक, महाप्रबंधक प्रशासन व हिंदी समिति के उपाध्यक्ष नितिन खत्री, हिंदी महोत्सव के संयोजक दीपक निगम सहित बड़ी संख्या में सभी विद्युत कंपनियों के कार्मिक उपस्थित थे। विवेचना थिएटर ग्रुप के बाल कलाकारों ने आदित्य रूसिया के निर्देशन में हरिशंकर परसाई की व्यंग्य रचना पर आधारित सदाचार का ताबीज़ नाटक की प्रस्तुति दी।

सजे-धजे पंडालों में भव्य गणेश प्रतिमाओं की स्थापना, आकर्षक विद्युत साज-सज्जा से जगमगाया शहर

गणेश उत्सव की धूमः उपनगरीय क्षेत्रों तक सजे भव्य पंडाल

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

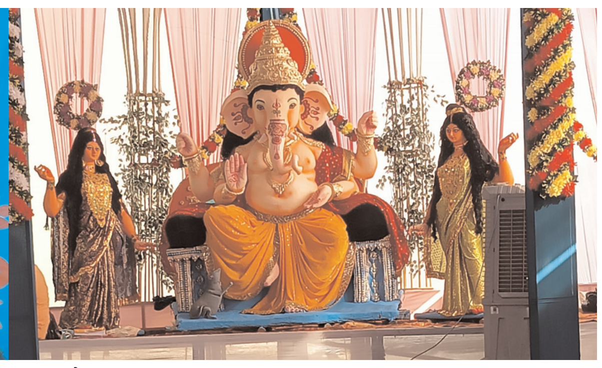

संस्कारधानी जबलपुर में 12 दिवसीय गणेश उत्सव पर्व अत्यंत धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। आकर्षक साज-सज्जा के बीच शहरभर में गणेश प्रतिमाओं की स्थापना का सिलसिला लगातार जारी है। पर्व के चौथे दिन शहर के प्रमुख केंद्र मालवीय चौक सहित उपनगरीय क्षेत्रों जैसे गढ़ा, गोरखपुर, सदर और आधारताल में गणेश उत्सव की रौनक पूरी तरह शुरू हो चुकी है, जहां समितियों के कार्यकर्ता कड़ी मेहनत कर एक से बढ़कर एक सजावट और झांकियां तैयार करने में जुटे हैं। शहर के कई प्रमुख स्थानों पर विशाल और आकर्षक गणेश प्रतिमाओं की स्थापना कर दी गई है, जबकि कुछ पंडालों में स्टेज और सजावट को अंतिम रूप दिया जा रहा है। श्री साई गणेश उत्सव समिति छोटी महाकौशल स्कूल, महाराष्ट्र मंडल, महाराष्ट्र स्कूल, त्रिमूर्ति कला मंदिर (साठियां कुआं) और अंकुर युवा संस्था (कोतवाली) के अलावा सदर और गोरखपुर के विभिन्न पंडालों में भव्य प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। सड़कों को रंग-बिरंगी और आकर्षक विद्युत रोशनी से सजाया गया है, जिससे पूरा शहर जगमगा उठा है। सुबह-शाम गणेश पंडालों में 'जय गणेश, जय गणेश देवा' के गगनभेदी भजनों की गूंज सुनाई देने लगी है, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया है। गणेश उत्सव की तैयारियां अपने चरमोत्कर्ष पर हैं। आगामी दो-चार दिनों में जब साज-सज्जा और प्रतिमा स्थापना का यह दौर पूरी तरह परवान चढ़ेगा, तब गजानन के दर्शन के लिए सड़कों पर श्रद्धालुओं का तांता लगना शुरू हो जाएगा, और आखिरी के तीन दिनों तक लोग देर रात तक सड़कों पर घूमकर बाप्पा के दर्शन करते नजर आएंगे। संस्कारधानी जबलपुर में 12 दिवसीय गणेश उत्सव पर्व अत्यंत धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। आकर्षक साज-सज्जा के बीच शहरभर में गणेश प्रतिमाओं की स्थापना का सिलसिला लगातार जारी है। पर्व के चौथे दिन शहर के प्रमुख केंद्र मालवीय चौक सहित उपनगरीय क्षेत्रों जैसे गढ़ा, गोरखपुर, सदर और आधारताल में गणेश उत्सव की रौनक पूरी तरह शुरू हो चुकी है, जहां समितियों के कार्यकर्ता कड़ी मेहनत कर एक से बढ़कर एक सजावट और झांकियां तैयार करने में जुटे हैं। शहर के कई प्रमुख स्थानों पर विशाल और आकर्षक गणेश प्रतिमाओं की स्थापना कर दी गई है, जबकि कुछ पंडालों में स्टेज और सजावट को अंतिम रूप दिया जा रहा है सड़कों को रंग-बिरंगी और आकर्षक विद्युत रोशनी से सजाया गया है, जिससे पूरा शहर जगमगा उठा है। सुबह-शाम गणेश पंडालों में 'जय गणेश, जय गणेश देवा' के गगनभेदी भजनों की गूंज सुनाई देने लगी है, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया है।सुबह-शाम गणेश पंडालों में 'जय गणेश, जय गणेश देवा' के गगनभेदी भजनों की गूंज सुनाई देने लगी है, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया है। गणेश उत्सव की तैयारियां अपने चरमोत्कर्ष पर हैं। आगामी दो-चार दिनों में जब साज-सज्जा और प्रतिमा स्थापना का यह दौर पूरी तरह परवान चढ़ेगा, तब गजानन के दर्शन के लिए सड़कों पर श्रद्धालुओं का तांता लगना शुरू हो जाएगा, और आखिरी के तीन दिनों तक लोग देर रात तक सड़कों पर घूमकर बाप्पा के दर्शन करते

मप्र ओलंपिक संघ के 75वें स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री यादव से मिले पदाधिकारी

मध्यप्रदेश ने राष्ट्रीय खेल 2028 की मेजबानी का दावा पेश किया

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ के सचिव दिग्विजय सिंह और उपाध्यक्ष सीए अखिलेश जैन ने भोपाल स्थित मुख्यमंत्री निवास (समत्व भवन) में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात के दौरान संघ के आगामी आयोजनों और प्रदेश में खेल के विकास को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। 75वें स्थापना दिवस के आयोजनों पर चर्चा मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ आगामी 23 जनवरी 2027 को अपने गठन के 75 वर्ष पूरे करने जा रहा है। इस ऐतिहासिक अवसर को भव्य रूप से मनाने के लिए संघ ने विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की है। पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को इस संबंध में एक निवेदन पत्र सौंपा और आयोजनों की सफलता के लिए उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया।

वर्ष 2028 के राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी का आग्रहः

भेंट के दौरान ओलंपिक संघ के प्रतिनिधियों ने वर्ष 2028 में प्रस्तावित राष्ट्रीय खेलों (National Games) की मेजबानी मध्यप्रदेश को सौंपे जाने का प्रबल आग्रह किया। संघ कातर्क था कि वर्तमान में प्रदेश के पास उच्च स्तरीय खेल अधोसंरचना और बेहतरीन खेल गतिविधियां मौजूद हैं, जिसके आधार पर मध्यप्रदेश इस राष्ट्रीय स्तर के महाकुंभ की मेजबानी के लिए पूरी तरह सक्षम है। खेल अनुदान और सहयोग पर सकारात्मक आश्वासनः बैठक में प्रदेश के विभिन्न खेल संघों को मिलने वाले अनुदान और खेल प्रोत्साहन से जुड़े विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। संघ के पदाधिकारियों के अनुसार, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी विषयों को गंभीरता से सुना और मध्यप्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए हरसंभव सकारात्मक सहयोग प्रदान करने का पूर्ण आश्वासन दिया है। इस मुलाकात से प्रदेश के खेल जगत में नए उत्साह का संचार हुआ है।मजबूत खेल बुनियादी ढांचाः प्रदेश में आधुनिक खेल अकादमियों, सिंथेटिक ट्रैक और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं के विस्तार से राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी के लिए अनुकूल माहौल तैयार हुआ है। सकारात्मक प्रशासनिक दृष्टिकोणः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा खेल संघों को दिए गए सहयोग के आश्वासन से खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और प्रोत्साहन मिलने का मार्ग प्रशस्त होता है।

सोलर रूफ टॉप योजना का लाभ संविदा कर्मियों और पेंशनर्स को भी दिया जाएः राकेश डीपी पाठक

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के महामंत्री राकेश डी.पी. पाठक ने ऊर्जा विभाग द्वारा बिजली कंपनियों में कार्यरत कर्मचारियों को सोलर रूफ टॉप योजना का लाभ देने हेतु दी गई स्वीकृति का स्वागत किया है। हाल ही में मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने आदेश जारी कर कंपनी के समस्त नियमित कार्मिकों को सोलर रूफ टॉप योजना के अंतर्गत वित्तीय अनुदान प्रदान करते हुए प्रोत्साहन राशि देने का निर्णय लिया है, जिसकी फेडरेशन ने सराहना की है। इसके साथ ही फेडरेशन ने इस योजना का दायरा बढ़ाते हुए इसमें संविदा कर्मियों और पेंशनरों को भी शामिल करने की पुरजोर मांग की है। फेडरेशन के प्रमुख पदाधिकारियों–राकेश डी.पी. पाठक, यू.के. पाठक, लक्ष्मण सिंह राजपूत, एन.के. यादव, दिनेश दुबे, उमाशंकर मेहता, सुरेश बाबू खरे, अनूप वर्मा, बी.एस. राठौर, रामेश्वर गांगे, अपसार अहमद, आर.के. कौशिक, केदारनाथ अग्निहोत्री, मदन वर्मा, उमाशंकर दुबे, बी.पी. पटेल, जी.एल. चौरसिया, विमल महापात्र और गोपाल चौहान ने संयुक्त रूप से अनुरोध किया है कि इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ केवल नियमित कर्मचारियों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसमें प्रदेश के सभी संविदा कर्मियों और पेंशनर्स को भी अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए ताकि वे भी इस वित्तीय अनुदान और प्रोत्साहन का लाभ उठा सकें।

लोकबोली में हमारी सांस्कृतिक अस्मिताः संस्कृति और साहित्य पर केंद्रित काव्य गोष्ठी संपन्न

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

अखिल भारतीय हिन्दी सेवा समिति एवं ऑथर्स गिल्ड ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में लोक संस्कृति, लोकभाषा और साहित्य पर केन्द्रित एक भव्य मासिक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह साहित्यिक कार्यक्रम वरिष्ठ साहित्यकार राजेन्द्र मिश्रा के मुख्य आतिथ्य और सुशील श्रीवास्तव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. छाया सिंह, तथा सारस्वत अतिथि के तौर पर डॉ. शिवशंकर अवस्थी और डॉ. ऊषा दुबे उपस्थित रहीं, जबकि मुख्य वक्ता की भूमिका राजेश पाठक 'प्रवीण' ने निभाई। इस संपूर्ण आयोजन का संयोजना डॉ. सलमा जमाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों और वक्ताओं ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि लोक संस्कृति किसी समाज की केवल परंपरा मात्र नहीं है, बल्कि वह उसकी सामूहिक स्मृति और सांस्कृतिक अस्मिता की पहचान है। मुख्य वक्ता राजेश पाठक 'प्रवीण' ने अपने संबोधन में स्पष्ट किया कि लोक संस्कृति हमें हमारी जड़ों का बोध कराती है, और लोकभाषा का संरक्षण वस्तुतः हमारी अपनी सांस्कृतिक पहचान, परंपरा और लोकचेतना का ही संरक्षण है। कार्यक्रम की शुरुआत विनीता पैगवार 'विधि' द्वारा प्रस्तुत की गई वंदना से हुई, तथा इसका कुशल संचालन आशुतोष तिवारी एवं कविता राय ने संयुक्त रूप से किया।

संतान सप्तमी का पर्व आजः संतान की लंबी उम्र और उन्नति के लिए की भगवान शिव व पार्वती की पूजा

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

संतान की उम्र में वृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की कामना को लेकर मनाया जाने वाला पावन पर्व 'संतान सप्तमी' आज पूरी श्रद्धा, आस्था और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर शहरभर में माताएं संतान सप्तमी का व्रत रखकर विशेष पूजा-अर्चना कर रही हैं। घर-घर में संतान सप्तमी के अनुष्ठान हो रहे हैं, जहां माताएं अपने पुत्र-पुत्रियों की दीर्घायु और खुशहाली की प्रार्थना कर रही हैं। व्रत के दौरान महिलाएं मालपुए का भोग लगाकर भगवान शंकर और माता पार्वती की विधि-विधान से आराधना कर रही हैं। भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को यह पर्व मनाया जाता है, जिसमें भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा का विशेष विधान है। महिलाएं इस व्रत को उत्तम संतान प्राप्ति और संतान की लंबी आयु की मंगल कामना के साथ रखती हैं। इस पर्व की एक विशेष परंपरा के तहत महिलाएं सुबह स्नान-ध्यान कर व्रत का संकल्प लेती हैं। इसके बाद चांदी की अंगूठी या चूड़ी में हर साल थोड़ी-थोड़ी चांदी की वृद्धि करवाकर उसे दूध से धोकर संतान के नाम से धारण करती हैं। इसके पश्चात भगवान की पूजा-अर्चना कर अपनी संतान की उन्नति और दीर्घायु होने का आशीर्वाद प्राप्त करती हैं।

पर्यूषण पर्व पर जिनालयों में उमड़ रही भीड़, दशलक्षण धर्म की हो रही आराधना

पर्वराज पर्यूषण के दूसरे दिन 'उत्तम मार्दव धर्म' के साथ त्याग और विनम्रता का दिया संदेश

एक सत बुलेटिन, जबलपुर

पर्वराज पर्यूषण के पावन अवसर पर इन दिनों संस्कारधानी जबलपुर के जिनालयों में भारी आस्था और उत्साह देखने को मिल रहा है। पर्व के दूसरे दिन 'उत्तम मार्दव धर्म' की विशेष आराधना की गई। इस धर्म के माध्यम से जीवन में त्याग और अहंकार मुक्ति की प्रेरणा दी जाती है, जिसमें बताया गया कि अहंकारी व्यक्ति हमेशा खुद को सर्वोपरि मानता है और अंततः रावण जैसी गति को प्राप्त होता है। दस दिनों तक चलने वाले इस पर्यूषण पर्व के दौरान उत्तम क्षमा, उत्तम मार्दव, उत्तम आर्जव, उत्तम शौच, उत्तम सत्य, उत्तम संयम, उत्तम तप, उत्तम त्याग, आकिंचन और ब्रह्मचर्य–इन दस धर्मों की साधना, आराधना और संकल्प लिए जाते हैं। पर्यूषण पर्व पर जिनालयों में उमड़ रही भीड़, दशलक्षण धर्म की हो रही आराधना पर्वराज पर्यूषण के दूसरे दिन 'उत्तम मार्दव धर्म' के साथ त्याग और विनम्रता का दिया गया संदेश पर्व के तहत सुबह से ही जैन धर्मावलंबी पीले वस्त्र धारण कर मंदिरों में पहुंच रहे हैं, जहां भगवान को जल स्नान कराने के उपरांत विधि-विधान से पाठ किए जा रहे हैं। इस दौरान अनेक महिला-पुरुषों ने व्रत भी रखे हैं और हर कोई दशलक्षण को आत्मसात करने का पूर्ण प्रयास कर रहा है। नगर के लगभग 50 जैन मंदिरों में पारंपरिक और भव्य रूप से कार्यक्रम आरंभ हो चुके हैं। शहर के प्रमुख मंदिरों जैसे लार्डगंज जैन मंदिर (कमानिया गेट), आदिनाथ जैन मंदिर (गोलबाजार), जैन मंदिर (हनुमानताल), और शांति नगर जैन मंदिर में विशेष रौनक बनी हुई है। आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में पूजन, जिन भक्ति भजन और नृत्य कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, साथ ही शास्त्री जी प्रतिदिन रात्रि साढ़े आठ बजे से 10 लक्षण पर्व पर विशेष प्रवचन दे रहे हैं। इसके अलावा त्रिमूर्ति दिगम्बर जैन मंदिर (जुड़ी तलैया फूटाताल) में प्रवचन, तत्वार्थ सूत्र वाचन, प्रश्न मंच, महाआरती और विविध धार्मिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी नन्हें जैन मंदिर हनुमानताल में जैन जागृति संघ द्वारा अहिंसा, सत्य, मानवता और ज्ञान पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सुंदर आयोजन किया जा रहा है, जिससे पूरा वातावरण धर्ममय हो गया है।

न्यूज ब्रीफ

करौली वालान अग्रवाल पंचायत की प्रबंध समिति का चुनाव 4 अक्टूबर को

ग्वालियर। श्री करौली वालान अग्रवाल पंचायत की प्रबंध समिति का द्विवार्षिक निर्वाचन 4 अक्टूबर को पंचायत की बगिया, लक्ष्मीगंज में आयोजित किया जाएगा। निर्वाचन अधिकारी अजय सिंघल और हरि बाबू गोयल ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया निर्धारित समय-सारणी के अनुसार पूरी कराई जाएगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दोपहर 3 बजे से नामांकन फार्म का वितरण शुरू होगा। इसके बाद शाम 4 बजे से 4:15 बजे तक नाम वापसी की प्रक्रिया चलेगी। नाम वापसी का समय समाप्त होने के बाद चुनाव प्रक्रिया शुरू की जाएगी। मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद शाम 5 बजे संभावित रूप से चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे। निर्वाचन को लेकर पंचायत की ओर से आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

गौवंश में लंपी वायरस की रोकथाम के लिये प्रभावी कार्रवाई की जाए

ग्वालियर। गौवंश में लंपी वायरस की रोकथाम के लिये प्रभावी कार्रवाई की जाए। जिले के रतवाई गौशाला में स्थापित आईसोलेशन सेंटर को और प्रभावी बनाया जाए। तीन चरणों में चिकित्सकों की तैनाती के साथ-साथ रात्रि के लिये भी एक विशेष टीम लगाई जाए। पशु चिकित्सा विभाग के माध्यम से अधिक से अधिक टीकाकरण का कार्य हो, यह भी सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने मंगलवार को जिले में लंपी वायरस की रोकथाम के लिये नगर निगम, जिला पंचायत एवं पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने समीक्षा के दौरान पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अधिक से अधिक पशुओं का टीकाकरण हो। इसके साथ ही जो पशु लंपी वायरस से प्रभावित हैं उनका समुचित उपचार किया जाए। वह शीघ्र स्वस्थ हो सकें।

दूध एवं दुग्ध उत्पादों की सघन जॉच का विशेष अभियान जारी

ग्वालियर। श्रीमती रूचिका चौहान कलेक्टर जिला ग्वालियर के निर्देशों पालन में जिलेभर में दूध एवं दुग्ध उत्पादों की सघन जॉच का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारीयों की टीमों द्वारा डेयरीयों पर रेपिड मिल्क टेस्ट किट से सतत रूप से स्पॉट पर दूध की प्राइमरी जॉच की जा रही है। जिसमें यूरिया, नमक, माल्टोडेस्कट्रिन, सुक्रोज नही पाया गया। लेकिन अन्य फैट या एसएनएफ की आशंका पर खाद्य सुरक्षा अधिकारीगण की एक टीम (लोकेन्द्र सिंह, आनंद प्रकाश शर्मा, श्रीमती निरूपमा शर्मा और लखनलाल) एवं दूसरी टीम (गिरीश राजौरिया, श्र गोविन्द नारायण सरगैयां, सतीश धाकड एवं सतीश कुमार शर्मा) निम्न डेयरीयों का निरीक्षण कर नमूने लिये। शर्मा डेयरी शिन्दे की छावनी, जनकगंज ग्वालियर से खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री आनन्दप्रकाश शर्मा ने दूध एवं दही के नमूने लिये। फर्म जय गिर्राज डेयरी पता सागरताल चौराहा ग्वालियर से श्रीमती निरूपमा शर्मा ने पनीर और घी के नमूने लिये।

स्कूली बच्चों और यात्रियों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन सख्त:

शिवपुरी लिंक रोड पर स्कूली बसों ऑटो व यात्री वाहनों की हुई चेकिंग

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।

जिले में स्कूली बच्चों और यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा वाहनों की जांच का अभियान लगातार चलाया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के सख्त निर्देशों के पालन में, बुधवार को संभागीय उड़नदस्ता दल ने शहर के गिरवाई नाका स्थित शिवपुरी लिंक रोड पर व्यापक चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान स्कूली वाहनों, ऑटो-रिक्शा, यात्री बसों, कारों और लोडिंग वाहनों के कागजात और सुरक्षा मानकों की बारीकी से जांच की गई। नियमों का उल्लंघन और विभिन्न कमियां पाए जाने पर प्रशासन ने कुल 72,500 रुपये का अर्थदंड (जुर्माना) अधिरोपित किया है। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी विक्रमजीत सिंह कंग ने जानकारी देते हुए बताया कि निरीक्षण के दौरान वाहनों में सुरक्षा मानकों की कमी पाई गई, जिसके बाद नियमानुसार विभिन्न श्रेणियों पर कार्रवाई की गई:यह पूरी कार्रवाई संभागीय उड़नदस्ता प्रभारी सुश्री नीलम मिंज के नेतृत्व में गठित जांच दल द्वारा मुस्तैदी के साथ अंजाम दी गई। प्रशासन की इस सख्त कार्रवाई से वाहन चालकों में हड़कंप मचा हुआ है, और अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि बच्चों और यात्रियों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।स्कूली वाहनः सुरक्षा मानकों की अनदेखी और दस्तावेजों में खामियों के चलते स्कूली वाहनों पर सबसे अधिक 25,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। ऑटो रिक्शाः शहर में बेतरतीब और बिना सुरक्षा मानकों के दौड़ने वाले ऑटो-रिक्शा के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुल 23,900 रुपये का जुर्माना वसूला गया। लोडिंग वाहनः नियमों का उल्लंघन करने वाले लोडिंग व मालवाहक वाहनों पर 18,000 रुपये का अर्थदंड लगाया गया।परिवहन विभाग द्वारा वाहनों की जांच को लेकर चलाए जा रहे अभियान के तहत संभागीय उड़नदस्ता ने सघन जांच कार्रवाई की। कलेक्टर रुचिका चौहान के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई में विभिन्न वाहनों की जांच कर नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई। जांच के दौरान अधिकारियों ने वाहनों के दस्तावेज, परमिट सहित अन्य जरूरी प्रपत्रों की जांच की। अनियमितताएं पाए जाने पर संबंधित वाहन चालकों से कुल 72,500 रुपये का जुर्माना वसूला गया।

सरस्वती शिशु मंदिरों एवं समवैचारिक विद्यालयों में 25 सितंबर को एक साथ गूंजेगा 'वंदे मातरम', बैठक आयोजित

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

ग्राम भारती शिक्षा समिति जिला ग्वालियर के अंतर्गत आने वाले समस्त सरस्वती शिशु मंदिरों के प्रधानाचार्यो और प्रबंध कार्यकारिणी की एक महत्वपूर्ण बैठक स्थानीय जिला कार्यालय में संपन्न हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी 25 सितंबर को आयोजित होने वाले 'नमामि भारतम्-वंदे मातरम्' सामूहिक गायन कार्यक्रम की तैयारियों की रूपरेखा तैयार करना था, जिसे लेकर विद्यालयों में अभी से उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। बैठक की जानकारी देते हुए प्रांत प्रमुख चंद्रहंस पाठक ने बताया कि 'नमामि भारतम्-वंदे मातरम्' कार्यक्रम के तहत देश भर के सभी सरस्वती शिशु मंदिरों और समवैचारिक विद्यालयों में आगामी 25 सितंबर को ठीक सुबह 11 बजे एक साथ समवेत स्वर में 'वंदे मातरम्' का सामूहिक गायन किया जाएगा। इस विशाल एवं अनूठे आयोजन को ऐतिहासिक बनाते हुए इसे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराने की भी पूरी तैयारी की जा रही है। जिला स्तर पर आयोजित होने वाले इस भव्य कार्यक्रम में विद्यालयों के भैया-बहन (छात्र-छात्राएं), उनके अभिभावक, आचार्य परिवार, संयोजक मंडल, विद्यालय के पूर्व छात्र और शहर के गणमान्य सामाजिक कार्यकर्ता बढ़-चढ़कर अपनी सहभागिता निभाएंगे। इस बैठक के दौरान न केवल 'वंदे मातरम्' गायन के प्रबंधों पर चर्चा हुई, आयोजनों सहित अन्य सामाजिक-सांस्कृतिक विषयों पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

एक माह तक चलने वाले जन-अभियान के तहत दीपोत्सव रक्तदान और संपत्ति स्वामित्व योजना का होगा शुभारंभ

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

ऐतिहासिक नगरी ग्वालियर के बैजाताल सहित जिले के विभिन्न कस्बों के पास बहने वाली नदियों और तालाबों के घाट आगामी 17 सितंबर की सांध्य बेला में 'आशीर्वाद के दीये' से जगमग उठेंगे। अवसर होगा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस 17 सितंबर से शुरू होने जा रहे व्यापक 'सेवा-संकल्प अभियान' का। अभियान के पहले दिन जिला मुख्यालय स्थित बैजाताल पर भव्य जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित होगा, साथ ही जिले के लगभग दो दर्जन प्रमुख स्थानों पर वृहद स्तर पर दीप प्रज्ज्वलन के कार्यक्रम संपन्न होंगे। इसके अलावा जिलेभर के गांवों और कस्बों में सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के घरों पर भी आशीर्वाद के दीप जलाए जाएंगे। सेवा-संकल्प अभियान के पहले दिन जिला चिकित्सालय मुरार में एक विशेष रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। साथ ही, इसी दिन सांध्य बेला में सरकारी अस्पतालों, आयुष्मान भारत योजना में सूचीबद्ध अस्पतालों और स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं से लाभान्वित होने वाले हितग्राहियों के घरों पर भी दीये प्रज्वलित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर ग्वालियर जिले में 'मध्य प्रदेश स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन' अभियान का भी आधिकारिक शुभारंभ होगा, जिसके तहत ग्रामीण आबादी की भूमि और परिसंपत्तियों की निःशुल्क रजिस्ट्री कर लोगों को उनकी संपत्ति का वास्तविक मालिकाना हक प्रदान किया जाएगा। 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक यानी पूरे एक महीने तक चलने वाले इस अभियान के दौरान जन-सेवा, स्वच्छता, सामाजिक सहभागिता और जन-जागरूकता के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसमें सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थानों, युवाओं, महिलाओं, स्व-सहायता समूहों, वरिष्ठ नागरिकों और सामाजिक-आध्यात्मिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

गांधी जयंती पर ग्वालियर यूथ सोसायटी द्वारा दो दिवसीय विशेष आयोजन

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पावन जयंती के अवसर पर एसोसिएशन ऑफ ग्वालियर यूथ सोसायटी की ओर से शहर के डीडी मॉल स्थित फूड कोर्ट में एक विशेष और आकर्षक दो दिवसीय आयोजन की तैयारी की गई है। 'स्वच्छता ही सेवा-आओ मिलकर बापू के सपनों को साकार करें' थीम पर आयोजित होने वाले इस विशेष समारोह के तहत बच्चों के लिए चित्रांकन (ड्राइंग) और फैंसी ड्रेस प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिसमें भाग लेने के लिए बच्चों या उनके अभिभावकों से किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा यानी यह आयोजन पूरी तरह से निःशुल्क रहेगा। संस्था के अध्यक्ष संजय कट्ठल ने इस आयोजन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस दो दिवसीय कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आज की नई पीढ़ी और मासूम बच्चों को महात्मा गांधी के स्वच्छता, सत्य और अहिंसा के महान विचारों से गहराई से जोड़ना है, ताकि वे बापू के जीवन मूल्यों को अपने आचरण में उतार सकें।

चित्रांकन प्रतियोगिता (1 अक्टूबर): आयोजन के पहले दिन यानी 1 अक्टूबर को सुबह 9 बजे से चित्रांकन प्रतियोगिता का शुभारंभ होगा। इस प्रतियोगिता को आयु वर्ग के हिसाब से विभाजित किया गया है, जिसमें 5 से 8 वर्ष तक के छोटे बच्चों के लिए चित्रकला का विषय उनकी अपनी पसंद के अनुसार (स्वतंत्र) रखा गया है। वहीं, 9 से 14 वर्ष तथा 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के प्रतिभागियों के लिए विषय 'स्वच्छ भारत' निर्धारित किया गया है। बच्चों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रतियोगिता के लिए आवश्यक ड्राइंग शीट आयोजन स्थल पर ही संस्था की ओर से निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।

ग्वालियर में 150 सीटों के लिए आवेदन आमंत्रित

अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षा की नि :शुल्क तैयारी का अवसर

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

अनुसूचित जाति और जनजाति वर्ग के छात्र-छात्राओं के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी को लेकर एक बेहतरीन अवसर सामने आया है। ग्वालियर स्थित शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केंद्र में आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस केंद्र में कुल 150 स्थान स्वीकृत हैं, जिसके लिए मध्यप्रदेश के मूल निवासी पात्र विद्यार्थी आवश्यक दस्तावेजों के साथ केंद्र में स्वयं उपस्थित होकर अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। इस विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम की अवधि छह महीने की होगी। शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केंद्र के प्राचार्य से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल भोपाल (ईएसबी), एसएससी, बैंकिंग तथा रेलवे द्वारा आने वाले महीनों में आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की व्यापक तैयारी इस केंद्र में कराई जाएगी। इन परीक्षाओं में कृषि विस्तार अधिकारी, पंचायत समन्वयक अधिकारी, सहायक संपरीक्षक, प्रयोगशाला तकनीशियन, पुलिस आरक्षक भर्ती परीक्षा, पंचायत सचिव और रोजगार सहायक जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण पद शामिल हैं।

विषय विशेषज्ञों द्वारा होगी तैयारी और मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं: प्रशिक्षण अवधि के दौरान विद्यार्थियों को विषय विशेषज्ञों द्वारा सामान्य ज्ञान, विज्ञान एवं तकनीकी, अंग्रेजी, भूगोल, संविधान, इतिहास, कंप्यूटर, गणित, रीजनिंग और अर्थशास्त्र सहित सामान्य अध्ययन के सभी प्रमुख विषयों की गहन तैयारी कराई जाएगी। विद्यार्थियों की परीक्षा तैयारी को और अधिक उत्कृष्ट बनाने के लिए नियमित रूप से विषयवार मॉक टेस्ट का आयोजन भी किया जाएगा।

आत्म साधना वर्षायोग समिति और सकल जैन समाज के तत्वावधान में पर्यूषण महापर्व शुरू

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

दिगंबर जैन समाज का पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व उत्तम क्षमा धर्म के पालन का संकल्प लेने के साथ बुधवार को जैन धर्मावलंबियों का पर्युषण महापर्व का आगाज हुआ। 16 से 25 सितंबर तक पर्यूषण महा पर्व आयोजित होगे। वही श्रद्धालुओं में काफी उत्साह दिखाई दिया। आज सुबह से ही नई सड़क स्थित चंपाबाग धर्मशाला में परम पूज्य आचार्य श्री चैत्य सागर महाराज एवं मुनि श्री अनुमान सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में जैन समाज के समाजजनों ने प्रथम दिन भगवान जिनेंद्र का अभिषेक ओर शांतिधारा के साथ दस लक्षण महामंडल विधान में उत्तम क्षमा धर्म की पूजन-अर्चना कर महा अर्घ्य समर्पित किए गए। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि आत्म साधना वर्षायोग समिति और सकल जैन समाज के तत्वावधान में आचार्य श्री चैत्य सागर और मुनि श्री अनुमान सागर महाराज के सानिध्य में पर्यूषण पर्व के दस लक्षण पर्व के पहले दिन को उत्तम क्षमा धर्म के रूप में आत्मसात किया गया। व्रत रखकर जैन धर्मावलंबियों ने प्रभु की आराधना की। आचार्य श्री ओर प्रतिष्ठाचार्य पंडित डॉ आनंद प्रकाश शास्त्री की मौजूदगी में जैन समाज के लोगो ने मंत्रोच्चार के साथ भगवान जिनेंद्र का जयकारों के साथ

कलशों से अभिषेक किया गया। वही आचार्य श्री ने मंत्रो से बृहद शांतिधारा करवाई। दस लक्षण विधान में प्रतिष्ठाचार्य पंडित डॉ आनंद प्रकाश शास्त्री ने दस लक्षण विधान के मंडप पर महिलाएं ने मंगल कलश की स्थापन की गई। वही नित्य पूजा, पंचमेरु पूजन, नंदीश्वर पूजन, 24 तीर्थंकर पूजा के साथ उत्तम क्षमा की पूजन जैन समाज की महिलाएं, पुरुष ओर बालिकाओं ने भक्ति नृत्य के साथ महा अर्घ्य समर्पित किए। वही शाम को श्रीजी की दीपकों से आरती के बाद रात्रि में जैन सोशल ग्रुप के द्वारा स्वरांजलि भजन प्रतियोगिता एवं प्रश्न मंच प्रतियोगिता कराई गई।

सीवर समस्या हल करने निगमायुक्त मैदान में, कई वार्डों का किया निरीक्षण

सीवर ओवरफ्लो मिलने पर नगर निगम ने खुद मौके पर खड़े होकर कराई सफाई

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

शहर की सीवर समस्या को प्राथमिकता से हल करने के उद्देश्य से नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने मैदानी स्तर पर औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वार्ड क्रमांक 22, 20 एवं 18 का निरीक्षण किया, जहां कई स्थानों पर सीवर लाइन भरी हुई और जाम मिलने पर उन्होंने आवश्यक कार्रवाई की। निगम आयुक्त ने मौके पर ही खड़े होकर सीवर लाइनों की सफाई करवाई और संबंधित ठेकेदारों व अधिकारियों को सख्त दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन यंत्री महेंद्र प्रसाद अग्रवाल भी प्रमुख रूप से मौजूद रहे। खलीफा कॉलोनी और विभिन्न वार्डों में सीवर लाइन की जांचः नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने सबसे पहले वार्ड क्रमांक 22 स्थित खलीफा कॉलोनी का निरीक्षण किया। वहां सीवर लाइन चौक मिलने पर उन्होंने तुरंत सीवर सफाई टीम को मौके पर तलब किया और सीवर लाइन की तली झाड़ सफाई करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के आम नागरिकों से भी सीधी चर्चा की, जिन्होंने अपनी समस्याओं से निगमायुक्त को अवगत कराया। आयुक्त ने अधिकारियों को सभी समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश

दिए। इसके बाद, निगमायुक्त श्री चौधरी ने वार्ड क्रमांक 20 का निरीक्षण किया। वहां भी सीवर लाइन जाम मिलने पर उन्होंने तत्काल ठेकेदार और अधिकारियों को मौके पर बुलाया तथा जेटिंग कम सक्शन मशीन के माध्यम से सीवर लाइन की सफाई करवाई।

इसके पश्चात, वार्ड क्रमांक 18 स्थित एएम ब्लॉक में सीवर लाइन चोक मिलने पर उन्होंने ठेकेदार को मौके पर बुलाकर कड़ी फटकार लगाई और निर्देश दिए कि मशीनरी एवं संसाधन समय पर फील्ड में तैनात किए जाएं ताकि सीवर लाइनों की बेहतर और नियमित सफाई हो सके। वाहन डिपो का निरीक्षण और हाजिरी रजिस्टर की जांचः सीवर व्यवस्था का जायजा लेने के उपरांत नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी ने डीबी मॉल के पास स्थित नगर निगम के वाहन डिपो का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निगम के सभी वाहनों की नियमित साफ-सफाई रखने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने कर्मचारियों के हाजिरी रजिस्टर की बारीकी से जांच की और स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी वाहन समय से अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों के लिए रवाना हों, जिससे शहर की सफाई व्यवस्था और अधिक सुचारू रूप से संचालित हो सके।

संपादकीय

युद्धों से भड़कती महंगाई

अगस्त माह, 2026, में खुदरा मुद्रास्फीति 4.82 फीसदी रही, जबकि थोक मूल्य सूचकांक 9.9 फीसदी दर्ज किया गया। खाद्य महंगाई की यह स्थिति आठ माह में सर्वोच्च स्तर पर रही। भारतीय रिजर्व बैंक की तय सीमा से भी अधिक मुद्रास्फीति है। त्योहारों के मौसम में महंगाई और भी बढ़ सकती है। आम आदमी दर और प्रतिशत के इस अर्थशास्त्र को नहीं समझता। उसके लिए आटा, गेहूं, चावल, चीनी, दालें, खाद्य तेल, हरी सब्जियां, प्याज, टमाटर, अदरक, लहसुन और दूध आदि की कीमतें बढ़ती हैं, तो वह महंगाई की स्थिति है। उसकी जेब सीमित है, लिहाजा घर का बजट भी तय है। जब ये हदें टूटने लगती हैं, तो आम आदमी महंगाई से कराहने लगता है। एक वह महंगाई भी है, जो युद्ध हमें देते हैं और हम मजबूर हैं। बीते छह माह से अधिक समय से ईरान का होर्मुज जलडमरूमध्य या तो बाधित है अथवा बंद है या मिसाइल, ड्रोन के हमले जारी हैं। भारत का 50 फीसदी से अधिक कच्चा तेल, एलपीजी, खाद आदि इसी समुद्री मार्ग से आते रहे हैं। दुनिया में करीब 20 फीसदी तेल-गैस की आपूर्ति इसी मार्ग के जरिए की जाती रही है। अब लाल सागर और बाब-अल-मंदेब पर हूती लड़ाकों ने कब्जा कर लिया है। हालांकि उन्होंने ऐलान किया है कि वे सऊदी अरब के जहाजों को निशाना बनाएंगे। यहां से गुजरने नहीं देंगे। भारत समेत शेष विश्व के जहाज, तेल-टैंकर आदि की आवाजाही निर्बाध रहेगी। दुनिया की करीब 12 फीसदी आपूर्ति इस जल-मार्ग के जरिए होती रही है। सऊदी अरब जिस ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन के जरिए यूरोप और एशिया में कच्चे तेल का निर्यात कर रहा था, इस पर हूती लड़ाकों ने मिसाइल हमले कर उसका एक हिस्सा तबाह कर दिया है। सोमवार, 14 सितंबर, की रात तक पाइपलाइन धू-धू कर जल रही थी, लिहाजा उसे बंद करना पड़ा है। इस पेट्रोलाइन से 40-50 लाख बैरल कच्चा तेल रोजाना सप्लाई किया जाता था।

जाहिर है कि भारत सहित कई एशियाई और यूरोपीय देशों की तेल आपूर्ति प्रभावित हुई है। कच्चे तेल का एक और निश्चित रास्ता ठप हो गया है। चूंकि महत्वपूर्ण जल-मार्गों से आपूर्ति बाधित या ठप है, नतीजतन कच्चे तेल की कीमत भी 108 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गई है। बीती 11 सितंबर को भारत के लिए कच्चे तेल की औसत कीमत 119 डॉलर से अधिक थी। इस क्षेत्र के विशेषज्ञों के आकलन हैं कि कच्चा तेल जल्द ही 121 डॉलर प्रति बैरल को छू लेगा। यदि सभी मोर्चों पर युद्ध जारी रहे, तो कच्चा तेल 150 डॉलर तक उछल सकता है। दुनिया की अर्थव्यवस्था का कबाड़ा निकल जाएगा! भारत 2.4 लाख मीट्रिक टन तेल का आयात करता है, लिहाजा उसका बिल 19 लाख करोड़ रुपए तक जा सकता है। यह बीते साल के आयात बिल से 8 लाख करोड़ रुपए अधिक होगा। अर्थव्यवस्था पर यह अनावश्यक बोझ समझना चाहिए, नतीजतन रोजमर्रा की हरेक वस्तुएं, सेवाएं, परिवहन आदि सभी महंगे हो जाएंगे।

तेल कंपनियों के घाटे का रुदन तो शुरू हो चुका है। बताया जा रहा है कि भारत की तेल कंपनियों को पेट्रोल पर 5 रुपए, डीजल पर 23 रुपए प्रति लीटर और एलपीजी के एक सिलेंडर पर 200 रुपए का घाटा उठाना पड़ रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक, ईरान में युद्धविराम (17 अगस्त, 2026) के खत्म होने के बाद 100 देशों में पेट्रोल-डीजल औसतन 5-7 फीसदी तक महंगे हो गए हैं। कच्चा तेल 17-20 फीसदी तक और एलपीजी, एलएनजी 20-25 फीसदी तक महंगी हुई हैं। भारत क्या कर सकता है? उसे 88 फीसदी कच्चा तेल आयात करना पड़ता है। अमरीका तो तेल-गैस का निर्यातक देश है, फिर भी वहां पेट्रोल-डीजल के दाम ऐसे स्तर पर पहुंच गए हैं कि जनता सडकों पर आंदोलित हो गई है। बहरहाल भारत के संदर्भ में यदि तेल-गैस, उर्वरक आदि के संकट घनीभूत होते रहे और महंगाई भडकती रही, तो हमारी मुद्रा रुपए का अवमूल्यन भी चिंता के स्तर पर पहुंच सकता है। आश्चर्य है कि भारत सरकार मुद्रास्फीति और ऊर्जा-संकट पर बिल्कुल मौन है, मानो आम भारतीय मौजह्ल में है! जीडीपी की विकास दर पर देश को भ्रमित भी नहीं करना चाहिए, क्योंकि इस विकास में मुद्रास्फीति भी निहित है। यदि उसे घटा दिया जाए, तो विकास दर 2.5 फीसदी के आसपास होगी। क्या यही हमारा यथार्थ है?

पहली बार भारत को मिली 'ए' रेटिंग

डा. अश्विनी महाजन

जापानी रेटिंग एजेंसी जेसीआर ने पिछले सप्ताह भारत की संप्रभु साख रेटिंग को बीबीबी (प्लस) से बेहतर करते हुए ए (माइनस) कर दिया है, जिसका मतलब यह है कि एजेंसी के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था का स्थायी आउटलुक है। किसी भी ग्लोबल रेटिंग एजेंसी ने 35 वर्षों में पहली बार भारत को इस श्रेणी में रखा है। हालांकि शेष अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा भारत की रेटिंग का पूर्ण आकलन करना अभी बाकी है, जेसीआर द्वारा भारत की रेटिंग के अभ्युत्थान का खासा महत्व है। रेटिंग में सुधार, दुनिया में भारत के लिए निवेश के माहौल को सकारात्मक बनाता है और कंपनियों द्वारा ऋण लेने को सस्ता और सुगम बनाता है। रेटिंग एजेंसियों का पक्षपात : हालांकि भारत सरकार और उससे जुड़े संस्थान, जेसीआर द्वारा बेहतर रेटिंग का श्रेय भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूती को दे रहे हैं, लेकिन यह भी सही है कि अभी तक भारत के प्रति रेटिंग एजेंसियों का रवैया कुछ पक्षपातपूर्ण रहा है। गौरतलब है कि भारत लंबे समय से दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है। भारत ने आज तक कभी भी अपने ऋणों पर ब्याज या मूल चुकाने में कोताही नहीं की है, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार निरंतर उच्च स्तर पर बने हुए हैं, भारत प्रौद्योगिकी क्षेत्र में निरंतर प्रगति करते हुए, प्रतिरक्षा, टेलीकॉम, अंतरिक्ष, डिजिटल भुगतानों सहित डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्रों में नए से नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

कुछ समय पूर्व भारत जापान को पछाड़ते हुए, दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन गया। भारत का बैंकिंग क्षेत्र भी पूर्व की समस्याओं से निजात पाते हुए आगे बढ़ रहा है, जहां क्रेडिट ग्रोथ 20 प्रतिशत से भी अधिक बनी हुई है। भारतीय बैंकों के एनपीए मार्च 2026 तक मात्र 1.73 प्रतिशत पर पहुंच चुके हैं। लेकिन भारत की तमाम उपलब्धियों के बावजूद ग्लोबल एजेंसियों मूडीज, स्टैण्डर्ड एंड पुअर्स, फिच आदि, द्वारा भारत क्रेडिट रेटिंग में मात्र मामूली ही सुधार किया और अभी भी मूडीज द्वारा भारत की रेटिंग बीएए 3 (स्टेबल), स्टैडर्ड एण्ड पुअर द्वारा बीबीबी (स्टेबल) और फिच द्वारा बीबीबी -(स्टेबल) ही बनी हुई है। पश्चिमी देशों के सुझावों और दबावों से चल रहे तथाकथित आर्थिक सुधारों पर चलने के बावजूद भारत की रेटिंग में लंबे समय तक कोई विशेष सुधार देखने को नहीं मिला। एक ओर जहां 2020 में मूडीज द्वारा कोरोना के कारण भारतीय बैंकों का आउटलुक को स्थायी से गिराकर नकारात्मक कर दिया गया था, जिसके कारण शेयर बाजारों में उथल-पुथल मच गई थी, लेकिन आश्चर्य का विषय यह है कि अमरीकी बैंकों में वित्तीय संकटों के बावजूद इन एजेंसियों ने तमाम जानकारी के बावजूद दुनिया को पता तक नहीं लगने दिया कि उनके निवेश भयंकर संकट में हैं। दिलचस्प बात यह है कि जहां इन रेटिंग एजेंसियों ने कोरोना महामारी के दौरान दुनिया भर की वित्तीय संस्थानों की रेटिंग को गिरा दिया था, लेकिन अपनी ग्राहक कंपनियों की रेटिंग को उच्च बरकरार रखा था।

फाइनेंशियल टाइम्स लिखता है कि 2015 में स्टैंडर्ड एंड पुअर ने स्वयं स्वीकार किया था कि वे बिजनेस पाने के लिए अपने ग्राहक कंपनियों की रेटिंग को ऊंचा रखते हैं, ऐसे में इन कंपनियों की रेटिंग के वास्तव में कोई मायने नहीं हैं। पिछले कई सालों से भारतीय अर्थव्यवस्था के शानदार प्रदर्शन, जिसमें पिछले 5 वर्षों में 52 लाख करोड़ रुपए इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च हो चुके हैं, भारतीय बैंक संकटों से उबर कर निरंतर प्रगति कर रहे हैं, भारत की जीडीपी पिछले 5 वर्षों में वैश्विक युद्धों, सप्लाई चैन व्यवधानों, अन्य देशों द्वारा करेंसी, वैल्यू चेन, भुगतान प्रणाली आदि के हथियारीकरण के बावजूद औसतन 8 प्रतिशत से ज्यादा तेजी से बढ़ रही है, जहां गरीबी (गरीबी और बहुआयामी गरीबी दोनों) दुनिया में सबसे तेजी से कम हो रही है, अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के कान पर जूं भी नहीं रेंग रही है। शायद यही कारण है कि इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आह्वान किया कि दुनिया की शीर्ष रेटिंग एजेंसियों में भारत की भी अपनी रेटिंग एजेंसी होनी चाहिए।

सेवा के 25 साल

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक मंच पर बढ़ायी भारत की प्रतिष्ठा और मान-सम्मान

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री म.प्र. शासन

यशस्वी श्री नरेन्द्र मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री के रूप में ढाई दशक की गौरवपूर्ण यात्रा पर विशेषराजनीति के मैदान में ऐसे अनेक नेता और जननेता हुए हैं, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। इनमें कुछ अपनी प्रशासनिक क्षमता के लिए जाने गए, तो कुछ ने अपने राजनीतिक कौशल से अलग पहचान बनाई। लेकिन ऐसे नेता विरले ही होते हैं, जो संगठन से निकलकर मुख्यमंत्री के रूप में अपनी राजनीतिक और प्रशासनिक कार्यकुशलता की मिसाल कायम करें और आगे चलकर प्रधानमंत्री के रूप में न केवल देश की राजनीति और शासन-व्यवस्था को नई दिशा दें, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा और प्रभाव को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का सार्वजनिक जीवन ऐसी ही असाधारण यात्रा का उदाहरण है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में लगभग 13 वर्षों तक उन्होंने शासन की एक ऐसी शैली विकसित की, जिसमें विकास, सुशासन और जनभागीदारी को केंद्र में रखा गया। इसके बाद वर्ष 2014 में देश के प्रधानमंत्री का दायित्व संभालने के बाद उन्होंने भारत को आत्मनिर्भर, सुरक्षित, समृद्ध और विश्व में प्रभावशाली राष्ट्र बनाने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए।

उनकी कार्यशैली की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे परिस्थितियों को केवल देखते नहीं, बल्कि उनमें परिवर्तन लाने का प्रयास करते हैं। दुनिया की राजनीति में कहाँ मौन रहना है, कहाँ अपनी बात स्पष्ट रूप से रखनी है और कहाँ दृढ़ता के साथ भारत के हितों की रक्षा करनी है। इसका संतुलन प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने अपनी विदेश नीति में लगातार प्रदर्शित किया है। भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उन्होंने विश्व के विभिन्न शक्ति-केंद्रों के साथ भारत के संबंधों को मजबूत किया है।

आज भारत विश्व राजनीति में एक प्रभावशाली शक्ति के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है। अमेरिका और रूस जैसे देशों के साथ संबंधों में संतुलन बनाए रखना हो, पश्चिम एशिया में भारत के हितों की रक्षा करनी हो या रूस-यूक्रेन संघर्ष जैसे जटिल अंतरराष्ट्रीय विषयों पर शांति और संवाद का पक्ष रखना हो, प्रधानमंत्री जी ने भारतीय दृष्टिकोण को मजबूती से दुनिया के सामने रखा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह भी रही है कि संकट के समय भारत ने केवल अपने नागरिकों की ही चिंता नहीं की, बल्कि मानवता के प्रति अपने दायित्व को भी निभाया। कोरोना महामारी के कठिन दौर में भारत ने जिस प्रकार अपने नागरिकों की सुरक्षा और जरूरतों का ध्यान रखा, वह अभूतपूर्व था। इसके साथ ही भारत ने अनेक देशों को दवाइयाँ, वैक्सीन और अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई। श्रीलंका, नेपाल, मालदीव और अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देशों से लेकर तुर्किए तक, जब भी आवश्यकता पड़ी, भारत ने सहायता का हाथ बढ़ाया।

युद्धग्रस्त क्षेत्रों से भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए भी प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में अनेक अभियान चलाए गए। यूक्रेन में फंसे भारतीय विद्यार्थियों की सुरक्षित वापसी हो या संकटग्रस्त परिस्थितियों में अन्य भारतीय नागरिकों को स्वदेश लानाइन प्रयासों ने यह संदेश दिया कि भारत अपने प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है।भारत की मानवीय संवेदनशीलता का परिचय उस समय भी मिला, जब कठिन अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के बावजूद पड़ोसी देश पाकिस्तान के विद्यार्थियों को भी सुरक्षित उनके देश वापस पहुँचाने के प्रयास किए गए। यह भारतीय संस्कृति की उस भावना का परिचायक है, जिसमें मानवता को सर्वोपरि माना गया है।

राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में भी प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय दिया है। उड़ी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक और पुलवामा आतंकी हमले के बाद बालाकोट एयर स्ट्राइक ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि भारत आतंकवाद को सहन करने वाला देश नहीं है।ऑपरेशन सिंदूर ने भी आतंकवाद के विरुद्ध भारत के संकल्प को दुनिया के सामने दृढ़ता से रखा। भारत ने यह स्पष्ट किया कि आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई उसके लिए केवल सुरक्षा का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सम्मान और नागरिकों की सुरक्षा का प्रश्न भी है।प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में आतंकवाद को लेकर भारत की नीति में जो दृढ़ता आई है, उसने अंतरराष्ट्रीय समुदाय का भी ध्यान आकर्षित किया है। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के मुद्दे को वैश्विक मंचों पर प्रभावी ढंग से उठाने और आतंकवाद के खिलाफ व्यापक अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने में भारत को महत्वपूर्ण सफलता मिली है।

हाल ही में दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के नेतृत्व में दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स (BRICS) सम्मेलन के माध्यम से भारत ने वैश्विक मंच पर स्वयं को एक संतुलित, व्यावहारिक और नीतिगत रूप से स्वायत्त राष्ट्र के रूप में मजबूती से स्थापित किया है। भारत की साख एक ऐसे देश के रूप में बनी है जो वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है और पश्चिमी देशों तथा पूर्वी शक्तियों के बीच संवाद का संतुलन बनाए रखने में सक्षम है। भारत ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि ब्रिक्स किसी पश्चिम-विरोधी गुट के रूप में नहीं, बल्कि एक समावेशी और सुधारात्मक बहुपक्षीय मंच के रूप में कार्य करता है। इसके अतिरिक्त, भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, आर्थिक विकास और आतंकवाद के प्रति कड़े रुख ने वैश्विक स्तर पर देश की विश्वसनीयता को और अधिक बढ़ाया है।इस पूरे परिदृश्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका अत्यंत निर्णायक और प्रभावी रही है। सम्मेलनों के दौरान विभिन्न राष्ट्राध्यक्षों के साथ की गई उनकी द्विपक्षीय बैठकों ने न केवल जटिल क्षेत्रीय मुद्दों को सुलझाने में मदद की, बल्कि भारत के आर्थिक और व्यापारिक हितों को भी नई दिशा दी है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की राजनीति का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष गरीब और वंचित वर्गों के जीवन में बदलाव लाने का प्रयास है। जनकल्याण की योजनाओं में जाति, क्षेत्र या धर्म के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, उज्ज्वला योजना और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का लाभ देश के करोड़ों परिवारों तक पहुँचा है।गरीबों को सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने के लिए केवल आर्थिक सहायता ही नहीं, बल्कि उनके जीवन की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने पर भी विशेष ध्यान दिया गया। पक्का घर, शौचालय, बिजली, गैस कनेक्शन, बैंक खाता, स्वास्थ्य सुरक्षा और खाद्यान्न की उपलब्धता जैसे विषयों को जनकल्याण की मुख्यधारा में लाया गया।

आयुष्मान भारत योजना ने गरीब और असहाय परिवारों के लिए गंभीर बीमारियों के उपचार को आर्थिक रूप से अधिक सुलभ बनाया। इसी प्रकार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से करोड़ों जरूरतमंद परिवारों को खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया।प्रधानमंत्री जी के लिए सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासह्ल केवल नारा नहीं, बल्कि शासन का मूल मंत्र रहा है। प्रधानमंत्री के रूप में दायित्व संभालते ही श्री मोदी जी ने स्वच्छता को राष्ट्रीय अभियान का रूप दिया। उन्होंने स्वयं हाथ में झाड़ू लेकर स्वच्छता का संदेश दिया और देशवासियों से स्वच्छ भारत के निर्माण में भागीदारी का आह्वान किया।इस अभियान ने देश की सोच में परिवर्तन लाने का काम किया। गांवों से लेकर शहरों तक स्वच्छता जनआंदोलन बनी। मध्यप्रदेश ने भी इस अभियान में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। इंदौर का लगातार स्वच्छ शहरों में अग्रणी रहना इस जनभागीदारी का प्रेरक उदाहरण है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने भारत की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प लिया। आज भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी मजबूत स्थिति बना चुका है और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसे अभियानों ने उत्पादन, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में नई संभावनाएँ पैदा की हैं। रक्षा उत्पादन और निर्यात में भारत की बढ़ती क्षमता इसका प्रमाण है।भारत ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भी ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं। चंद्रयान-3 की सफलता और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट सफल सॉफ्ट लैंडिंग ने पूरी दुनिया का ध्यान भारत की वैज्ञानिक क्षमता की ओर आकर्षित किया। प्रधानमंत्री जी का मानना है कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है। युवाओं को कौशल, रोजगार, स्वरोजगार, स्टार्टअप और तकनीकी नवाचार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए अनेक योजनाएँ संचालित की गई हैं।मुद्रा योजना ने छोटे उद्यमियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराकर लाखों युवाओं को अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर दिया। कौशल विकास और स्टार्टअप संस्कृति ने युवाओं में नौकरी खोजने के साथ-साथ रोजगार देने की भावना को भी मजबूत किया है।

महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए भी प्रधानमंत्री जी ने अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए। उज्ज्वला योजना ने करोड़ों महिलाओं को रसोई के धुएँ से राहत दिलाई। प्रधानमंत्री आवास योजना ने महिलाओं को परिवार की संपत्ति में अधिक सम्मानजनक भागीदारी का अवसर दिया। महिला आरक्षण कानून ने राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम रखा है।लखपति दीदीह्ल अभियान के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। यह केवल महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन की दिशा में एक बड़ा कदम है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने विकास के साथ-साथ भारत की सांस्कृतिक विरासत के प्रति समाज में आत्मविश्वास जगाने का कार्य किया है। विरासत के साथ विकासह्ल की भावना के अनुरूप उन्होंने आधुनिक भारत को उसकी प्राचीन सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का प्रयास किया है।योग, जो भारत की हजारों वर्ष पुरानी जीवन पद्धति है, उसे वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठा दिलाने में प्रधानमंत्री जी की भूमिका उल्लेखनीय रही है। उनके प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता दी। आज दुनिया के अनेक देशों में करोड़ों लोग योग को अपने स्वस्थ जीवन का हिस्सा बना रहे हैं।

यशस्वी मोदी जी के प्रयासों से अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा ने करोड़ों भारतीयों की आस्था और सांस्कृतिक चेतना को नई ऊर्जा दी। इसी प्रकार जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को समाप्त करने का निर्णय राष्ट्रीय एकता और अखंडता की दृष्टि से ऐतिहासिक माना गया। मन की बात के माध्यम से प्रधानमंत्री जी ने देश के सामान्य नागरिकों से सीधे संवाद की एक अनूठी परंपरा विकसित की। देश के दूरदराज के गांवों, छोटे शहरों और सामान्य परिवारों से जुड़े अनेक लोगों के कार्यों को राष्ट्रीय मंच मिला।यह संवाद प्रधानमंत्री जी के उस दृष्टिकोण को दशार्ता है, जिसमें भारत का विकास केवल सरकार के प्रयासों से नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की भागीदारी से संभव माना गया है।

यशस्वीनरेंद्र मोदी जी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष केवल सत्ता में रहने की अवधि नहीं, बल्कि सेवा, संघर्ष, परिश्रम और राष्ट्र निर्माण की निरंतर यात्रा हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के माध्यम से समाज और राष्ट्र सेवा का संकल्प लेकर शुरू हुई यह यात्रा गुजरात के मुख्यमंत्री से होते हुए देश के प्रधानमंत्री तक पहुँची।उनके लिए राष्ट्र प्रथम है और यही भावना उनके प्रत्येक निर्णय में दिखाई देती है। उन्होंने भारत को आत्मविश्वासी, आत्मनिर्भर, सुरक्षित और समृद्ध राष्ट्र बनाने का लक्ष्य सामने रखा है।उनके जन्मदिवस पर हम सभी का यह संकल्प होना चाहिए कि हम राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे और विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएँगे।

कहा गया है......

परिश्रम में जो तपा है, उसने ही तो इतिहास रचा है।
जिसने फौलादी चट्टानों को तोड़ा है, उसने ही समय को मोड़ा है।
समय को मोड़ देने का भी यही समय है, सही समय है।

यह उद्घोष आज भारत के उस नेतृत्व के प्रति हमारे विश्वास को व्यक्त करता है, जिसने सेवा को साधना और राष्ट्र निर्माण को अपना ध्येय बनाया है।आइए, प्रधानमंत्री जी की 25 वर्षों की सेवा यात्रा के अवसर पर हम भी राष्ट्र निर्माण के इस महायज्ञ में अपनी आहुति देने का संकल्प लें। देश के लिए नई उम्मीदों का दीप जलाएँ, अपने सामर्थ्य के अनुसार योगदान दें और उस भारत के निर्माण में सहभागी बनें, जिसका सपना हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्रनायकों ने देखा था।

प्रधानमंत्री जी केजन्मदिन 17 सितंबर को हम सभी अपने घरों और प्रतिष्ठानों में आशीर्वाद का एक दीप जलाएँ और उनकी दीघार्यु, स्वस्थ एवं यशस्वी जीवन की कामना करें। यह दीप उस विश्वास का प्रतीक बने कि भारत की विकास यात्रा निरंतर आगे बढ़ती रहे, देश आत्मनिर्भर एवं शक्तिशाली बने और वर्ष 2047 तक विकसित भारत का संकल्प साकार हो।सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासह्ल की भावना के साथ विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की यात्रा निरंतर आगे बढ़े, यही प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के जन्मदिवस पर हमारी सबसे बड़ी शुभकामना है।

जिसने जीवन संवारा, उसको नमन हमारा।

सेवा से संकल्प अभियान की तैयारियां समय-सीमा में पूर्ण करें

सभी जिलों में गरिमापूर्ण ढंग से आयोजित हों कार्यक्रम : संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

संभागायुक्त श्री कर्मवीर शर्मा ने सभी संभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले 'सेवा से संकल्प अभियान' के अंतर्गत प्रस्तावित कार्यक्रमों की सूक्ष्म स्तर पर तैयारी सुनिश्चित करें। संबंधित जिलों एवं विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर सभी तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण की जाएं तथा संभाग के प्रत्येक जिले में कार्यक्रम गरिमापूर्ण ढंग से आयोजित हों। संभागायुक्त श्री शर्मा ने बुधवार को कमिश्नर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में ये निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त आयुक्त डॉ. विनोद यादव, उपायुक्त राजस्व श्रीमती भारती देवी मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के संभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन अभियान का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन करें संभागायुक्त श्री शर्मा ने मध्यप्रदेश में प्रारंभ हुए स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को चिन्हित ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित कर सभी निर्धारित कार्य समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों से कहा कि चयनित ग्रामों

में स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन अभियान का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित कर भोपाल संभाग को इस कार्य में प्रदेश का प्रथम संभाग बनाने के लिए सभी अधिकारी समन्वित प्रयास करें। संभागायुक्त श्री शर्मा ने आगामी दिनों में आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के शिविरों की भी सूक्ष्म स्तर पर तैयारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिविर के आयोजन से पहले संबंधित विकासखंड की लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों तथा लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत समय-सीमा से बाहर के प्रकरणों को चिन्हित किया जाए। इन सभी शिकायतों और प्रकरणों का शिविर में शत-प्रतिशत एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि अभियान का मूल उद्देश्य शासकीय योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन और नागरिकों को लोक सेवाओं का समय-सीमा में प्रदाय सुनिश्चित करना है। अभियान के दौरान संवाद, समाधान, संवेदनशीलता और सादगी के साथ अधिक से अधिक जनशिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण किया जाए। संभागायुक्त श्री शर्मा ने सभी संभागीय एवं विभागीय अधिकारियों को जिलों का नियमित भ्रमण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि अधिकारी लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों और लोक सेवा गारंटी अधिनियम के समय-सीमा से बाहर के प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करें। विभागीय संस्थाओं का निरीक्षण करने के साथ योजनाओं के क्रियान्वयन की गहन समीक्षा की जाए तथा संबंधित जानकारी मुख्यमंत्री जन अभियान पोर्टल पर दर्ज की जाए।

सेवा संकल्प अभियान-2026 का शुभारंभ

प्रधानमंत्री मोदी के जन्म दिवस पर शाम 7 बजे पूरे प्रदेश में एक साथ जलेंगे आशीर्वाद के दीये

प्रदेश के प्रत्येक जिले के आइकॉनिक स्थानों, सभी ग्राम पंचायतों और नगरीय वार्डों में होगा सामूहिक दीप प्रज्ज्वलन

श्री महाकाल महालोक से लेकर विकास परियोजनाओं, जल संरचनाओं और स्वास्थ्य केंद्रों तक बिखरेगी दीपों की रोशनी

सुशासन और जनसेवा के 25 वर्षों के प्रति आभार प्रकट करने मध्यप्रदेश में बनेगा दीप प्रज्ज्वलन का नया कीर्तिमान

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर मध्यप्रदेश सरकार द्वारा 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक 'सेवा संकल्प अभियान -2026' की शुरुआत की जा रही है। अभियान का शुभारंभ 17 सितंबर को 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम से होगा, जिसके तहत शाम ठीक 7 बजे प्रदेश के प्रत्येक जिले के आइकॉनिक स्थानों, सभी ग्राम पंचायतों और नगरीय निकायों के प्रत्येक वार्ड में एक साथ सामूहिक दीप प्रज्ज्वलन किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उज्जैन स्थित 'श्री महाकाल महालोक' में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। सामूहिक दीप प्रज्ज्वलन के लिए प्रदेश के प्रत्येक जिले में 10 प्रमुख आइकॉनिक स्थानों का चयन किया गया है। इनमें धार्मिक व आध्यात्मिक केंद्र जैसे उज्जैन का श्री महाकाल महालोक, ओरछा का श्री राम राजा लोक, सलकनपुर देवी लोक, प्रमुख मंदिर और पवित्र नदियों के घाट शामिल हैं। इसके साथ ही विकास और निर्माण की प्रतीक परियोजनाओं जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना के मोहल्ले व कॉलोनियों, नव-निर्मित पुलों, बांधों, अमृत सरोवरों, स्थानीय जल संरचनाओं और नर्मदा घाटी विकास की परियोजनाओं पर भी दीये जलाए जाएंगे। स्वास्थ्य, ऊर्जा और शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी अवसंरचनाएं भी इस आयोजन का मुख्य केंद्र रहेंगी। एम्स, आयुष्मान योजना से सूचीबद्ध अस्पतालों, औषधालयों, जन-औषधि केंद्रों, सोलर पार्क व नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं, विद्यालयों, कॉलेजों, पंचायत भवनों तथा सामुदायिक केंद्रों में सामूहिक दीप प्रज्ज्वलन होगा। इसके अतिरिक्त प्रदेश की ऐतिहासिक धरोहरों, किलों और प्रमुख सार्वजनिक व पर्यटन स्थलों पर भी दीप जलाकर जनसेवा का संकल्प लिया जाएगा। इस अवसर पर स्व-सहायता समूहों की बहनें, लाड़ली बहना योजना की हितग्राही, किसान, युवा, विद्यार्थी और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाएंगे।

प्रदेशभर में एक साथ होगा दीप प्रज्वलन

'आशीर्वाद के दीये' कार्यक्रम के तहत शाम 7 बजे प्रदेश के अलग-अलग जिलों और शहरों में लोग एक साथ दीप जलाएंगे। आयोजन का उद्देश्य प्रधानमंत्री के जन्म दिवस के अवसर पर सामूहिक रूप से शुभकामनाएं और आशीर्वाद करना है।

जन्म दिवस पर होंगे विभिन्न आयोजन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म दिवस के अवसर पर प्रदेश में सेवा और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। 'आशीर्वाद के दीये' कार्यक्रम के माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने की तैयारी की गई है। शाम 7 बजे दीप जलाकर प्रधानमंत्री के प्रति अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की जाएंगी।

रेलनीर की गुणवत्ता पर भोपाल मंडल की कड़ी निगरानी, प्रयोगशाला जाँच में सभी 4 नमूने निर्धारित मानकों पर खरे

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

भोपाल मंडल स्टेशनों पर यात्रियों को उपलब्ध कराए जाने वाले रेलनीर की गुणवत्ता को लेकर प्रकाशित खबर के संबंध में भोपाल मंडल रेल प्रशासन द्वारा तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट की गई है। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों के स्वास्थ्य एवं सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए रेलनीर की गुणवत्ता की नियमित निगरानी एवं नमूनों की अधिकृत प्रयोगशालाओं में जाँच कराई जाती है। इसी क्रम में रेलनीर की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जबलपुर स्थित रेलनीर संयंत्र से दो नमूने तथा मंडीदीप स्थित रेलनीर संयंत्र से दो नमूने, कुल चार नमूने, प्रयोगशाला जाँच के लिए भेजे गए थे। इन नमूनों की जाँच से संबंधित दिनांक 18 अगस्त 2026 एवं 12 सितम्बर 2026 की प्रयोगशाला रिपोर्ट प्राप्त हुई है। प्राप्त जाँच रिपोर्टों के अनुसार सभी चारों नमूने निर्धारित गुणवत्ता एवं खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुरूप पाए गए हैं तथा सभी निर्धारित मानकों पर सही पाए गए हैं। रेल प्रशासन द्वारा की गई नमूना जाँच का उद्देश्य रेलनीर की गुणवत्ता को वैज्ञानिक परीक्षण के माध्यम से सुनिश्चित करना है। जबलपुर एवं मंडीदीप रेलनीर संयंत्रों से लिए गए सभी चार नमूनों की प्रयोगशाला जाँच रिपोर्ट में किसी भी नमूने के निर्धारित मानकों के विपरीत पाए जाने की पुष्टि नहीं हुई है। इससे स्पष्ट है कि संबंधित नमूनों की गुणवत्ता निर्धारित मानकों के अनुरूप रही है। आईआरसीटीसी द्वारा रेल नीर संयंत्र से आपूर्ति किया जाने वाला रेल नीर निर्धारित गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रियाओं एवं लागू वैधानिक प्रावधानों के अनुरूप निर्मित, प्रसंस्कृत, पैक एवं प्रेषित किया जाता है। निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु उत्पादन एवं गुणवत्ता संबंधी मापदंडों की विभिन्न स्तरों पर नियमित रूप से निगरानी की जाती है।

जिला चिकित्सालय सहित भोपाल के 31 अस्पतालों एवं ब्लड सेंटरों में लगेंगे रक्तदान शिविर

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत भोपाल जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक व्यापक स्तर पर रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे। अभियान का शुभारंभ 17 सितंबर को जिला चिकित्सालय भोपाल सहित जिले के 31 चिन्हित अस्पतालों एवं ब्लड सेंटरों में इन-हाउस तथा विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से आउटडोर रक्तदान शिविर भी आयोजित किए जाएंगे। रक्तदान शिविरों के लिए जिला चिकित्सालय भोपाल के साथ बंसल हॉस्पिटल शाहपुरा, न्यू भोपाल ब्लड सेंटर अरेरा कॉलोनी, अर्पण ब्लड सेंटर एमपी नगर, वेद हाईटेक चैरिटेबल ब्लड सेंटर अरेरा कॉलोनी, करोंद ब्लड सेंटर एंड कम्पोनेंट सेंटर, महावीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, पीपुल्स हॉस्पिटल ब्लड सेंटर भानपुर, भोपाल मेमोरियल हॉस्पिटल, एमपी थैलेसीमिया किड केयर सोसायटी, इंदिरा गांधी महिला एवं बाल चिकित्सालय और तत्पर ब्लड एवं कम्पोनेंट सेंटर को चिन्हित किया गया है। इसी प्रकार सिटी ब्लड सेंटर ऑफ भोपाल चैरिटेबल ट्रस्ट, जवाहर नेहरू कैंसर अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर, चिरायु मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय, चिरायु हेल्थ एंड मेडिकल, गांधी चिकित्सा महाविद्यालय एवं हमीदिया चिकित्सालय, सेवा ब्लड सेंटर, मानस ब्लड सेंटर एंड कम्पोनेंट सेंटर, जे.के. हॉस्पिटल एंड मेडिकल रिसर्च सेंटर, अपोलो सेज हॉस्पिटल ब्लड सेंटर, इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, सागर मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, विजन ब्लड सेंटर, नोबल हॉस्पिटल, कस्तूरबा चिकित्सालय, लाइफ सेवर ब्लड सेंटर, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), लाइफ लाइन ब्लड एंड कम्पोनेंट सेंटर, आरकेडीएफ जाटखेड़ी तथा नवोदय ब्लड सेंटर में भी रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे। रक्तदान के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण सहायता मिलती है। जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग ने सभी स्वस्थ एवं पात्र नागरिकों, सामाजिक संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों और युवाओं से रक्तदान शिविरों में उत्साहपूर्वक सहभागिता करने की अपील की है। नागरिक स्वैच्छिक रक्तदान कर जीवन बचाने की इस जनसेवा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

सड़कों से 35 पशु पकड़े, सात घायल पशु आसरा भेजे

भोपाल। नगर निगम ने शहर की सड़कों, फुटपाथों और सार्वजनिक स्थलों पर स्वतंत्र विचरण करने वाले पशुओं को हटाने के लिए बुधवार को अभियान चलाया। निगम के गोवर्धन परियोजना शाखा के अमले ने विभिन्न क्षेत्रों से 35 पशुओं को पकड़कर कांजी हाउस भेजा, जबकि बीमार और घायल सात पशुओं को आसरा पशु चिकित्सालय भेजा गया। हांका पार्टी ने भी 15 पशुओं को सड़कों से हटाया। निगम आयुक्त संस्कृति जैन के निर्देश पर हथाईखेड़ा, पटेल नगर, कोकता, पीरिया, खजूरी कलां, लक्ष्मीपति कॉलेज, सर्वधर्म कॉलोनी और कोलार रोड सहित अन्य क्षेत्रों में कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान अन्ना नगर कांजी हाउस में रखे 20 पशुओं को महामृत्युंजय गौशाला भेजने की कार्रवाई भी की गई।

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने शत-प्रतिशत कार्य ई-ऑफिस प्रणाली से संचालित करने के दिए निर्देश

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा ने बुधवार को जिला आबकारी विभाग कार्यालय का औचक निरीक्षण कर प्रशासनिक व्यवस्थाओं और कार्यप्रणाली का विस्तृत जायजा लिया। उन्होंने कार्यालय की समस्त शाखाओं का गहन अवलोकन करते हुए शासकीय कार्यशैली को अधिक पारदर्शी, सुगम और सुव्यवस्थित बनाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। ई-ऑफिस प्रणाली का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन अनिवार्य निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री मिश्रा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि विभागीय फाइलों एवं पत्रावलियों का निष्पादन अनिवार्य रूप से ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से ही किया जाए। उन्होंने कहा कि डिजिटल कार्यप्रणाली से न केवल शासकीय

कार्यों में पारदर्शिता और गतिशीलता आएगी, बल्कि प्रकरणों का त्वरित एवं समयबद्ध निस्तारण भी संभव हो सकेगा कलेक्टर श्री मिश्रा ने आवक-जावक पंजी, स्थापना शाखा, राजस्व अभिलेख तथा लंबित प्रकरणों से संबंधित फाइलों का सूक्ष्मता से निरीक्षण किया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासकीय नस्तियों (फाइलों) का रख-रखाव एवं संधारण पूर्णतः नियमानुसार और सुव्यवस्थित ढंग से किया जाए। अभिलेखों के रख-रखाव में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित कर्मचारी के विरुद्ध सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी जिला आबकारी अधिकारी को सख्त निर्देश देते हुए कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, भंडारण, परिवहन एवं विक्रय पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए मैदानी स्तर पर निरंतर और सघन जांच अभियान चलाया जाए। उन्होंने आबकारी अमले को संवेदनशील क्षेत्रों में सतत निरीक्षण, औचक दबिश और फ्लैग मार्च करने के निर्देश दिए, ताकि नियम विरुद्ध गतिविधियों में संलिप्त असामाजिक तत्वों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जा सके।

शब्दों के माध्यम से समाज तक पहुंचाने के उद्देश्य से विशेष लेख तैयार किया गया

अल्पविराम कार्यक्रम पर संपादकीय लेख फ्रेम कर राज्य आनंद संस्थान के निदेशक को किया भेंट

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

राज्य आनंद संस्थान के अल्पविराम कार्यक्रम एवं आनंदम सहयोगी प्रशिक्षण के अनुभवों पर आधारित एक विशेष लेख पर्यावरण संस्कृति संरक्षण एवं मानव कल्याण ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं संपादकीय लेखक सुशील कुमार जैन एवं जैन समाज वरिष्ठ रमेश जैन द्वारा फ्रेम करवाकर राज्य आनंद संस्थान के निदेशक श्री सत्य प्रकाश आर्य को भेंट किया गया। भोपाल में आयोजित तीन दिवसीय आनंदम सहयोगी प्रशिक्षण को सुशील कुमार जैन ने केवल प्रशिक्षण कार्यक्रम न बताते हुए इसे स्वयं से जुड़ने, भीतर झांकने और आनंद को एक नए दृष्टिकोण से समझने की सार्थक यात्रा

बताया। इसी अनुभव को शब्दों के माध्यम से समाज तक पहुंचाने के उद्देश्य से विशेष लेख तैयार किया गया है। जैन ने बताया कि इस प्रशिक्षण यात्रा को ज्ञान, अनुभव और आत्मचिंतन से समृद्ध बनाने में राज्य आनंद संस्थान के सीईओ श्री प्रवीण कुमार गंगराड़े, निदेशक श्री सत्य प्रकाश आर्य, मास्टर ट्रेनर श्री

अजित कुमार महतो सहित विभिन्न जिलों से आए मास्टर ट्रेनरों का महत्वपूर्ण सहयोग और आत्मीय सानिध्य मिला। प्रशिक्षण में श्री हितेंद्र बुधौलिया, अशोकनगर, सुश्री अर्चना शर्मा, जबलपुर, श्री हेमंत त्रिवेदी, ग्वालियर, सुश्री अल्का द्विवेदी, सतना तथा श्री आकाश कुमार तिवारी, सतना के मार्गदर्शन, संवाद और अनुभवों ने प्रशिक्षण को विशेष रूप से समृद्ध बनाया। सुशील कुमार जैन ने कहा कि इस अनुभव और आनंद की अवधारणा को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना आवश्यक है, ताकि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कुछ समय ठहरकर स्वयं से संवाद कर सके और जीवन को सकारात्मक दृष्टि से देखने का अवसर प्राप्त कर सके। उन्होंने कहा कि यह लेख इसी दिशा में उनका एक छोटा-सा प्रयास है। लेख को फ्रेम करवाकर निदेशक श्री सत्य प्रकाश आर्य को भेंट करने का उद्देश्य प्रशिक्षण से प्राप्त अनुभवों को संजोने के साथ-साथ अल्पविराम की भावना और संदेश को व्यापक स्तर पर लोगों तक पहुंचाना है।

आईआईटी में थिएटर ने बदली जिंदगी, इंजीनियरिंग छोड़ एक्टिंग को बनाया करियर

जितेंद्र कुमार ने अपने उस सफर को याद किया, जिसने उन्हें एक एक्टर बना दिया। 'पहला पहला' शो में गोपाल दत्त से बात करते हुए, 'पंचायत' के एक्टर ने स्कूल के दिनों में अपनी पहली परफॉर्मेंस को याद किया, जब उन्होंने ताड़का का रोल निभाया था। उन्होंने कहा कि उस समय, उन्होंने एक्टिंग में करियर बनाने के बारे में सोचा भी नहीं था। जितेंद्र ने याद करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि मेरा पहला एक्टिंग अनुभव तब हुआ था जब मैंने स्कूल में रामायण के नाटक में ताड़का का रोल किया था। उस समय, ऐसा कोई विचार नहीं था कि यह कुछ ऐसा बन सकता है जिसे मैं प्रोफेशनली करूंगा। यह बस एक स्कूल परफॉर्मेंस थी।'
हालांकि, स्कूल खत्म होने के बाद, जितेंद्र ने बताया कि उनका ध्यान पूरी तरह से पढ़ाई पर चला गया। वह आईआईटी एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी के लिए कोटा चले गए और आखिरकार आईआईटी खड़गपुर में सीट हासिल कर ली। हालांकि, कैंपस की इस नई जिंदगी में अपनी चुनौतियां भी थीं। जितेंद्र ने माना कि उन्हें इस बात का बहुत एहसास रहता था कि उनके आस-पास के सभी लोग अच्छी इंग्लिश बोलते थे। जब मैं आईआईटी खड़गपुर गया, तो इंग्लिश मेरे लिए एक मुश्किल चीज थी। मुझे इसका एहसास रहता था क्योंकि अचानक आप ऐसे माहौल में होते हैं जहां हर कोई इंग्लिश बोल रहा होता है, और आपको लगता है कि आप पीछे रह गए हैं। फिर उन्होंने थिएटर के बारे में जाना और कई कॉम्पिटिशन में हिस्सा लिया। यह पहली बार था जब उन्होंने एक्टिंग को एक संभावित करियर के तौर पर सोचा।
वह कहते हैं, 'आईआईटी में, मैंने थिएटर के बारे में लगभग अचानक ही जाना। मैंने कॉम्पिटिशन में हिस्सा लेना शुरू किया, और हर बार जब मैंने परफॉर्म किया, तो मुझे लगा कि इसमें कुछ ऐसा है जो मुझे सच में पसंद आया। शायद यह पहली बार था जब मैंने सोचना शुरू किया कि शायद एक्टिंग मेरे लिए कुछ हो सकती है।'
वर्कफ्रंट की बात करें तो जितेंद्र हाल ही में पॉपुलर फ्रेंचाइजी 'मिर्जापुर' के फिल्म अडैप्टेशन में बबलू पंडित का रोल निभाते हुए दिखे थे। ध्यान देने वाली बात यह है कि जितेंद्र इस मशहूर वेब सीरीज का हिस्सा नहीं थे।

चुंबक ने मुझे बहनों जैसा रिश्ता दिया, जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगी

'चुंबक' जहां पर्दे पर हंसी, मनोरंजन और शानदार परफॉर्मेंस का वादा करता है, वहीं संदीपा धर के लिए यह प्रोजेक्ट उनकी जिंदगी में इससे भी खास चीज लेकर आया है, और वो है एक खूबसूरत और हमेशा साथ रहने वाला बहनों जैसा रिश्ता। अभिनेत्री ने हाल ही में शो की अपनी फीमेल को-स्टार्स के साथ अपनी खास बॉन्डिंग के बारे में बात करते हुए बताया कि 'चुंबक' के दौरान बनी दोस्ती अब सिर्फ काम तक सीमित नहीं रही, बल्कि एक मजबूत रिश्ते में बदल चुकी है। अपनी फीमेल को-स्टार्स के साथ बॉन्डिंग को लेकर संदीपा ने कहा, ''चुंबक' ने मुझे सिर्फ बेहतरीन को-स्टार्स ही नहीं दिए, बल्कि एक ऐसा बहनों जैसा रिश्ता भी दिया है, जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगी। नीना मैम, डेलनाज, मानसी, हेली, अमायरा और मैं खुद को गर्व से 'गर्ल गैंग' कहते हैं। सच पूछिए तो इंडस्ट्री में शूटिंग और काम के बीच समय निकालना आसान नहीं होता, लेकिन हम सभी एक-दूसरे के लिए समय निकालने की पूरी कोशिश करते हैं। कभी ब्रंच, कभी डिनर, तो कभी बस साथ बैठकर घंटों बातें करना, ये छोटे-छोटे पल हमारे लिए बहुत मायने रखते हैं। इस ग्रुप में इतना प्यार, सपोर्ट, हंसी-मजाक और अपनापन है कि यह परिवार जैसा महसूस होता है। मैं खुश हूं कि 'चुंबक' मेरे जीवन में इन शानदार महिलाओं को लेकर आया। मुझे पूरा यकीन है कि कैमरे बंद होने के बाद भी ये रिश्ता हमेशा मेरे साथ रहेंगी।' संदीपा की ये बातें 'चुंबक' की महिला कलाकारों के बीच साझा की जाने वाली सच्ची दोस्ती और बॉन्डिंग की झलक देती हैं, जो अपने व्यस्त शेड्यूल के बावजूद यह गर्ल गैंग एक-दूसरे के लिए समय निकालना नहीं भूलती। संदीपा की ये बाते, ये भी दिखाती हैं कि साथ काम करते हुए बने कुछ रिश्ते जिंदगी भर के लिए खास बन जाते हैं।

लवप्रीत गिल की अपील

शहनाज से मत करो तुलना

सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस' के नए सीजन में पंजाबी अभिनेत्री लवप्रीत गिल और भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री आम्रपाली दुबे भी आई हैं। शो में एंट्री के साथ ही दोनों अभिनेत्रियों को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। लवप्रीत गिल की तुलना 'बिग बॉस 13' की सबसे चर्चित कंटेस्टेंट्स में शामिल रहीं शहनाज गिल से की जा रही है। आईएएनएस ने जब लवप्रीत गिल से पूछा कि एक पंजाबी अभिनेत्री के तौर पर 'बिग बॉस' में उनकी तुलना शहनाज गिल से की जा रही है, तो उन्होंने इस पर प्रतिक्रिया दी। लवप्रीत ने कहा, ''शहनाज गिल मेरी सीनियर कलाकार हैं और मैं उनका सम्मान करती हूं, लेकिन मेरी अपनी अलग पहचान है। मेरी लोगों से अपील है कि मेरी शहनाज से तुलना न करें, बल्कि एक अलग कलाकार के रूप में मुझे जानें और प्यार दें।''
शहनाज गिल 'बिग बॉस' के इतिहास की सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली पंजाबी कंटेस्टेंट्स में से एक रही हैं। 'बिग बॉस 13' में शहनाज ने 'पंजाब की कटरीना' के रूप में एंट्री ली थी और देखते ही देखते अपने चुलबुले अंदाज से दर्शकों की फेवरेट बन गई थीं। शो में दिवंगत अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला के साथ उनकी बॉन्डिंग भी काफी चर्चा में रही। दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने 'सिडनाज' नाम दिया और सोशल मीडिया पर इस हैशटैग की जबरदस्त लोकप्रियता देखने को मिली। 'बिग बॉस 13' में शहनाज गिल सेकेंड रनर-अप रही थीं, जबकि सिद्धार्थ शुक्ला ने शो की ट्रॉफी अपने नाम की थी।

......अब नेगेटिव किरदारों से थोड़ा ब्रेक लेना चाहता हूं

पिछले कुछ सालों में ताना जी के उदयभान, आदिपुरुष के लंकेश, देवरा 1 के भैरवा जैसे नकारात्मक किरदारों के लिए सुर्खियां बटोरने वाले ऐक्टर सैफ अली खान अब विलेन वाली भूमिकाओं से थोड़ी दूरी बनाना चाहते हैं। ऐसे में, अपनी अगली फिल्म हैवान में एक अंधे म्यूजिशियन और मार्शल आर्टिस्ट के चुनौतीपूर्ण रोल को लेकर वह खासे उत्साहित हैं। सैफ अली खान ने अपनी इस फिल्म को लेकर बातें करते हुए कहा कि वह अभी कुछ समय के लिए हीरो के रोल ही करना चाहते हैं। अपनी इस फिल्म में अपने रोल को लेकर बातें की जिसमें वो देख नहीं पाते हैं।

मैं अभी नेगेटिव रोल से थोड़ा ब्रेक लेना चाहता हूं

सैफ अली खान ने कहा, ' मैं अभी नेगेटिव रोल से थोड़ा ब्रेक लेना चाहता हूं। तब मैं बतौर ऐक्टर ऐसे किरदार एक्सप्लोर करना चाहता था, मगर अभी कुछ समय के लिए हीरो के रोल ही करना चाहूंगा।' सैफ हैवान के अपने किरदार को बहुत ही खास मानते हैं। वह कहते हैं, 'मैंने अब तक ज्यादातर जो रोल किए हैं, उनके प्रति सहानुभूति नहीं होती। वे या तो मजबूत हैं या प्रिविलेज्ड हैं या नेगेटिव, तो उनके लिए दुख महसूस नहीं होता, जबकि इसके लिए आपके मन से आह निकलती है, जो मेरे लिए बहुत अलग और नई बात थी और मैंने इसी इमोशन को निचोड़ा है।'

मुझे स्ट्रेस था कि वो नकली न लगे

उन्होंने आगे कहा था, 'हालांकि, अंधे का रोल करना बहुत चुनौतीपूर्ण था। ऊपर से वो बच्चों को म्यूजिक, मार्शल आर्ट, रेसलिंग भी सिखाते हैं, तो मुझे स्ट्रेस था कि वो नकली न लगे लेकिन मेरे दिमाग में जैपनीज समुराई फिल्में थीं। वे काफी ऐसी फिल्में बनाते हैं कि एक अंधा आदमी कैसे सुनकर महसूस करते हैं, फाइट भी कर सकते हैं, तो वे फिल्में देखकर मुझमें कंविक्शन था कि मैं भी ऐसा कर सकता हूं।'

पहली बार अक्षय के आगे हीरो के रोल में हूं

फिल्म 'हैवान' में ओजी अनाड़ी-खिलाड़ी यानी सैफ और अक्षय कुमार की जोड़ी 2008 में आई टशन के 18 साल बाद दोबारा साथ में नजर आ रही है। इस जुगलबंदी पर सैफ कहते हैं, 'नोस्टैल्जिया बहुत अच्छी बात है। हम दोनों तीस साल से काम कर रहे हैं तो ऑडियंस के दिमाग में ये पुरानी बात कहीं न कहीं है। वैसे, इस फिल्म में हमारा इक्वेजन बिल्कुल अलग है। इसमें मेरा रोल थोड़ा ज्यादा टफ, सीरियस और हीराइक है, जो अक्षय के साथ वाली फिल्मों में पहली बार होगा। पहली बार उनके सामने मुझे इतनी जिम्मेदारी दी गई है।'

हुंकार : 'बापजी' के शोषण के खिलाफ अनीत पड्डा ने उठाई आवाज

फिल्म 'सैयारा' से दर्शकों का दिल जीतने वाली अनीत पड्डा अब अपनी आगामी वेब सीरीज 'हुंकार-द रोर' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इसका आज ट्रेलर जारी हो गया है। क्राइम थ्रिलर सीरीज में अनीत पड्डा शोषण के खिलाफ आवाज उठाती हैं। वहीं, फातिमा सना शेख इस मामले की जांच करती हैं।
किसने किया अनीत का शोषण?
क्राइम थ्रिलर सीरीज 'हुंकार' जियो हॉटस्टार पर आएगी। अनीत साहसी और निर्भीक मीनू की भूमिका में हैं। 17 साल की मीनू अपने खिलाफ होने वाले शोषण का विरोध करती है। मीनू बापजी पर शोषण का आरोप लगाती है, जो बेहद प्रभावशाली शख्सियत है। मामला पुलिस तक पहुंचता है। फातिमा सना शेख पुलिस अधिकारी की भूमिका में हैं। केस की पड़ताल करते हुए कई चुनौतियां मीनू (अनीत) के सामने आती हैं। अपने भी संदेह करने लगते हैं।

फातिमा सना शेख ने की पड़ताल

मीनू के आरोपों की जांच की कड़ी में कई सनसनीखेज खुलासे होते हैं। मुश्किल वक्त में अपने साथ छोड़ते हैं। मगर, मीनू ऐसे विपरीत हालात में भी साहस का परिचय देती और निर्भीक होकर सच बताती है। फातिमा इस सच को साबित करने के लिए सबूत जुटाती हैं। सीरीज का निर्देशन करण डी कपाडिया, नित्या मेहरा और हीराज मरफतिया ने किया है। इसे बिड़ला स्टूडियोज और अप्लॉज एंटरटेनमेंट ने प्रोड्यूस किया है। प्रियंका चोपड़ा इस सीरीज की कार्यकारी निर्माता हैं। 'हुंकार' वेब सीरीज 25 सितंबर से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। इस सीरीज में मोहम्मद जीशान अय्यूब, अर्जुन माथुर, रघुबीर यादव और राम कपूर भी अहम भूमिकाओं में हैं।

साउथ सिनेमा में शाहिद कपूर की एंट्री, ड्रेगन में जूनियर एनटीआर और आलिया भट्ट संग जमेगी जोड़ी

जूनियर एनटीआर और प्रशांत नील की एक्शन थ्रिलर 'ड्रेगन ' में आलिया भट्ट और शाहिद कपूर की एंट्री को लेकर खबरें तेज होती दिख रही हैं। ऐसे में फैंस ये जोड़ी फिर से बड़े परदे पर देखने के लिए बहुत एक्साइटेड हैं। खबरें हैं कि इस फिल्म में शाहिद नेगेटिव रोल में दिख सकते हैं। हालांकि, मेकर्स ने दोनों की कास्टिंग को अभी ऑफिशियली कन्फर्म नहीं किया है।

साउथ सिनेमा में शाहिद कपूर और आलिया भट्ट की एंट्री, ड्रेगन की कास्ट में होंगे शामिल

साउथ के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर और 'केजीएफ' व 'सालार' फेम डायरेक्टर प्रशांत नील की मच-अवेटेड फिल्म 'ड्रेगन ' पहले ही अपने बड़े स्केल और दमदार स्टारकास्ट को लेकर चर्चा में है। फिल्म में अनिल कपूर की एंट्री के बाद अब खबर है कि आलिया भट्ट और शाहिद कपूर भी इस एक्शन थ्रिलर का हिस्सा बन सकती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक शाहिद फिल्म में एक नेगेटिव किरदार निभा सकते हैं, जबकि आलिया के रोल को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, इन दोनों नामों को लेकर मेकर्स की तरफ से अभी कोई ऑफिशियली स्टेटमेंट नहीं आई है। फिल्म की कहानी 1967 के दौर कि है और इसका बैकड्रॉप 'गोल्डन ट्रायंगल' और इंटरनेशनल अफीम ट्रेड से जुड़ा बताया जा रहा है। फिल्म में अनिल कपूर, रुक्मिणी वसंत और आशुतोष राणा जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। अब खबरें ये भी हैं कि आलिया भट्ट और शाहिद कपूर इस फिल्म से जुड़ने वाले हैं, हालांकि मेकर्स ने अभी इसपर ऑफिशियली कुछ नहीं कही है।

'ड्रेगन ' में दिख सकती है 'शानदार' जोड़ी

रिपोर्ट के मुताबिक, आलिया भट्ट और शाहिद कपूर 'ड्रेगन ' में लीड रोल निभाने के लिए टीम में शामिल हो गए हैं। दोनों कलाकारों की ये जोड़ी इससे पहले फिल्म 'शानदार' में साथ नजर आ चुकी है। हालांकि, इस खबर पर अभी तक फिल्म के मेकर्स की ओर से कोई ऑफिशियल कन्फर्मेशन नहीं आया है।
जूनियर हृअक्रके साथ आलिया की फिर बनेगी जोड़ी?
आलिया भट्ट का तेलुगु सिनेमा से कनेक्शन नया नहीं है। उन्होंने एसएस राजामौली की 'आरआरआर' से तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया था, जिसमें जूनियर एनटीआर भी लीड रोल में थे। ऐसे में अगर 'ड्रेगन ' में उनकी एंट्री कन्फर्म होती है, तो यह जूनियर एनटीआर के साथ उनकी दूसरी फिल्म होगी। इसके अलावा आलिया के नाग अश्विन की 'कल्कि 2898 एडी: पार्ट 2' में भी शामिल होने की चर्चाएं हैं, हालांकि इसकी भी अभी कोई ऑफिशियल कन्फर्मेशन नहीं हुई है।

शाहिद कपूर बनेंगे विलेन

वहीं शाहिद कपूर को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा उनके किरदार की है। रिपोर्ट्स की मानें तो 'कबीर सिंह' स्टार फिल्म में नेगेटिव रोल निभा सकते हैं। इससे पहले अप्रैल में 'तेलुगु चित्रालु' की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि शाहिद इस प्रोजेक्ट को लेकर मेकर्स के संपर्क में हैं। अगर उनकी एंट्री पक्की होती है, तो ये तेलुगु सिनेमा में शाहिद कपूर की ऑफिशियल एंट्री होगी।

अनिल कपूर समेत ये सितारे भी हैं फिल्म का हिस्सा

फिल्म में जूनियर एनटीआर के साथ अनिल कपूर, रुक्मिणी वसंत और आशुतोष राणा जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। अगर आलिया भट्ट और शाहिद कपूर की एंट्री वाली खबरें सच साबित होती हैं, तो 'ड्रेगन ' की स्टारकास्ट साउथ और बॉलीवुड के बड़े नामों का एक बड़ा कॉम्बिनेशन बन जाएगी।

11 जून 2027 को रिलीज होगी 'ड्रेगन '

प्रशांत नील के निर्देशन में बन रही 'ड्रेगन ' एक बड़े स्केल की एक्शन थ्रिलर बताई जा रही है। फिल्म की कहानी, जूनियर एनटीआर का किरदार और प्रशांत नील का एक्शन स्टाइल इसे लेकर पहले से ही काफी बज बना रहे हैं। फिल्म 11 जून 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

गांव के नजदीक बैंकिंग सुविधा से वित्तीय समावेशन के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती

बस्तर-सरगुजा सहित प्रदेश के दूरस्थ ग्रामीण अंचलों तक बैंकिंग नेटवर्क का करें विस्तार: मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

■ एक सत बुलेटिन, रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में एचडीएफसी बैंक के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को एचडीएफसी बैंक द्वारा छत्तीसगढ़ में अपनी सेवाओं के 25 वर्ष पूर्ण किए जाने की जानकारी दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस उपलब्धि पर बैंक प्रबंधन, अधिकारियों-कर्मचारियों और ग्राहकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उन्होंने बैंक के छत्तीसगढ़ में 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में तैयार किए गए विशेष लोगो का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने बैंक के प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए कहा कि किसी भी प्रदेश की आर्थिक प्रगति में मजबूत और सर्वसुलभ बैंकिंग व्यवस्था की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पिछले वर्षों में बैंकिंग सेवाओं में तेजी से विस्तार हुआ है और डिजिटल तकनीक ने वित्तीय सेवाओं को पहले से अधिक सहज बनाया है। अब आवश्यकता इस बात की है कि आधुनिक बैंकिंग सुविधाओं का लाभ केवल बड़े शहरों और व्यावसायिक केंद्रों तक सीमित न रहे, बल्कि गांवों और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों तक भी समान रूप से पहुंचे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में बैंकिंग नेटवर्क का और विस्तार करते हुए विशेष रूप से बस्तर एवं सरगुजा अंचल के ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों तक बैंकिंग सुविधाओं की पहुंच बढ़ानी चाहिए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का एक बड़ा हिस्सा ग्रामीण और जनजातीय बहुल है। इन क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं की उपलब्धता बढ़ने से लोगों को आर्थिक गतिविधियों से जुड़ने के अधिक अवसर मिलेंगे और सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी अधिक सुगमता से उन तक पहुंच सकेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गांव के नजदीक बैंक की शाखा या बैंकिंग सुविधा उपलब्ध होने का प्रभाव केवल बैंकिंग लेन-देन तक सीमित नहीं रहता। इसके दूरगामी सामाजिक और आर्थिक परिणाम होते हैं। ग्रामीणों को अपने खाते से संबंधित सामान्य कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पड़ता, उनका समय और संसाधन बचता है तथा बचत और औपचारिक बैंकिंग के प्रति उनका विश्वास

बढ़ता है। ऋण, बीमा, डिजिटल भुगतान और अन्य वित्तीय सेवाओं तक आसान पहुंच मिलने से परिवारों के आर्थिक सशक्तीकरण का मार्ग भी प्रशस्त होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज केंद्र और राज्य सरकार की अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं की राशि सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में पहुंच रही है। ऐसे में अंतिम व्यक्ति तक बैंकिंग सेवाओं की सहज उपलब्धता सुशासन की व्यवस्था को भी मजबूत करती है। बैंकिंग नेटवर्क के विस्तार का लाभ नागरिकों के साथ-साथ शासन को भी मिलता है, क्योंकि इससे योजनाओं का लाभ पारदर्शी, सुरक्षित और समयबद्ध ढंग से हितग्राहियों तक पहुंचाने में सहायता मिलती है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं के विस्तार से स्थानीय अर्थव्यवस्था में भी नई ऊर्जा आती है। किसानों को कृषि एवं उससे संबंधित गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता, युवाओं को स्वरोजगार और उद्यम स्थापित करने के लिए ऋण तथा छोटे व्यवसायियों को अपने कारोबार के विस्तार के लिए पूंजी आसानी से उपलब्ध हो सकती है। इससे गांवों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ती हैं और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी तैयार होते हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने महिला स्व-सहायता समूहों की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की महिलाएं आज स्व-सहायता समूहों के माध्यम से विभिन्न आजीविका गतिविधियों और छोटे उद्यमों से जुड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। बैंकिंग संस्थाएं यदि इन समूहों तक ऋण, वित्तीय साक्षरता और अन्य बैंकिंग सुविधाओं की पहुंच को और मजबूत करें तो महिलाओं की उद्यमशीलता को बड़ा संबल मिल सकता है। आर्थिक रूप से सशक्त महिलाएं अपने परिवार के साथ पूरे गांव की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास छत्तीसगढ़ में ऐसा अनुकूल वातावरण तैयार करना है, जिसमें युवाओं को रोजगार के साथ स्वरोजगार और उद्यमिता के भी अधिक से अधिक अवसर मिलें। प्रदेश के युवाओं में प्रतिभा और आगे बढ़ने की क्षमता है। उनके विचारों और उद्यमशीलता को वित्तीय सहयोग से जोड़ने में बैंक महत्वपूर्ण भागीदार बन सकते हैं। छोटे और मध्यम उद्यमों को समय पर वित्तीय सहायता मिलने से प्रदेश में रोजगार सृजन और आर्थिक गतिविधियों को और गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज विकास के नए दौर से गुजर रहा है। प्रदेश में अधोसंरचना के विस्तार के साथ उद्योग, व्यापार, कृषि, सेवा क्षेत्र और नई अर्थव्यवस्था से जुड़े क्षेत्रों में संभावनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य विकास के इन अवसरों का लाभ प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र और प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में बैंकिंग और वित्तीय संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। बैंक केवल वित्तीय संस्थान नहीं, बल्कि लोगों के सपनों और आर्थिक संभावनाओं को संसाधनों से जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी हैं। किसी युवा को अपना व्यवसाय प्रारंभ करना हो, किसी महिला समूह को अपने उत्पादों का विस्तार करना हो, किसी किसान को अपनी आय बढ़ाने के लिए नई गतिविधि शुरू करनी हो अथवा किसी छोटे व्यापारी को अपना कारोबार आगे बढ़ाना हो - सुलभ वित्तीय सहायता उनके प्रयासों को नई दिशा दे सकती है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कबीरधाम के गौसेवकों एवं अधिकारियों की ली बैठक

■ एक सत बुलेटिन, रायपुर

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज कबीरधाम जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिले में गौधन की सुरक्षा, समुचित देखभाल, संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों, गौसेवकों एवं पशुपालकों की बैठक ली। बैठक में जिले में गौधन के रखरखाव, उपचार, संरक्षण तथा दुर्घटना एवं आपात परिस्थितियों में त्वरित सहायता उपलब्ध कराने सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि गौधन की सुरक्षा और उनकी समुचित देखभाल के लिए ऐसी व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए, जो प्रभावी होने के साथ-साथ स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप भी हो।

उन्होंने अधिकारियों को जिले में गौधन के लिए पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पशुपालन विभाग के अधिकारियों को ग्राम सरेखा में गौशाला निर्माण के लिए उपयुक्त स्थल का चयन करने को कहा, ताकि गौधन के संरक्षण और देखभाल के लिए व्यवस्थित सुविधा विकसित की जा सके। बैठक में प्रमुख मार्गों पर दुर्घटनाओं से संबंधित विषय पर भी चर्चा हुई। उप मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय राजमार्ग सहित जिले के अन्य प्रमुख मार्गों पर दुर्घटना अथवा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने क्रेन, जेसीबी मशीन सहित अन्य जरूरी संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता रखने को कहा, ताकि दुर्घटना की स्थिति में तत्काल कार्रवाई कर स्थिति को सामान्य किया जा सके। गुजरात की व्यवस्थाओं का अध्ययन कर कबीरधाम में लागू करने पर जोर उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने गुजरात राज्य में गौधन की देखभाल और पशुधन प्रबंधन के लिए अपनाई गई व्यवस्थाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां की अच्छी व्यवस्थाओं का अध्ययन किया जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि कबीरधाम की स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप वहां की उपयोगी व्यवस्थाओं को अपनाने की संभावनाओं पर कार्य किया जाए। उन्होंने गौसेवकों एवं गौ रक्षकों को गुजरात में पशुधन की देखभाल और प्रबंधन की व्यवस्थाओं का प्रत्यक्ष अवलोकन कराने के लिए भ्रमण कराने की बात भी कही।

भगवान श्री बलराम जयंती: किसान दिवस पर राज्य स्तरीय कृषक संगोष्ठी संपन्न

रायपुर, भारतीय कृषि परंपरा में भगवान श्री बलराम जी का विशेष स्थान है। भगवान बलराम को हल एवं कृषि के प्रतीक के रूप में स्मरण किया जाता है। उनके हाथों में सुशोभित हल किसान के श्रम धरती से उसके गहरे संबंध और कृषि संस्कृति का प्रतीक है। भगवान बलराम जयंती किसान के परिश्रम, कृषि के महत्व तथा धरती और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति हमारी जिम्मेदारी का स्मरण कराती है। इसी भावना को केंद्र में रखते हुए छत्तीसगढ़ शासन द्वारा भगवान बलराम दिवस को प्रदेश में किसान दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में स्वामी विवेकानंद सभागार, कृषि महाविद्यालय, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में 'भगवान श्री बलराम जयंती-किसान दिवस' के अवसर पर 'छत्तीसगढ़ में दलहन, तिलहन एवं प्राकृतिक खेती' विषय पर राज्य स्तरीय कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह आयोजन कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग, छत्तीसगढ़ शासन, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, दाऊ वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय, दुर्ग एवं महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, दुर्ग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

आर्यावर्त विश्वविद्यालय में लोकतंत्र दिवस पर गूंजा संविधान का संदेश

कुलगुरु ने बाबा साहब के विचारों से जोड़ा, उन्होंने जनभागीदारी को बताया जरूरी

■ एक सत बुलेटिन, सीहोर।

आर्यावर्त विश्वविद्यालय, सीहोर के विधि संकाय में अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लोकतंत्र की अवधारणा, संविधान में नागरिकों के अधिकार एवं कर्तव्य और लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनसामान्य की भागीदारी पर चर्चा हुई। कुलगुरु प्रोफ. (डॉ.) दीपक राज तिवारी ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को लोकतंत्र की अवधारणा से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र ऐसी शासन व्यवस्था है, जिसमें नागरिकों को समानता, स्वतंत्रता और अपने प्रतिनिधियों के चयन का अधिकार प्राप्त होता है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए संविधान और संवैधानिक मूल्यों के प्रति आस्था आवश्यक है। कुलसचिव डॉ. अनुज सिंघई ने कहा कि लोकतंत्र की

वास्तविक शक्ति जागरूक नागरिकों की भागीदारी में निहित है। विद्यार्थियों को अपने अधिकारों के साथ मूल कर्तव्यों को भी समझना चाहिए और जिम्मेदार नागरिक के रूप में लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में योगदान देना चाहिए। विधि संकाय के डीन प्रोफ. (डॉ.) हृदय वीर ने लोकतंत्र के बदलते स्वरूप तथा मजबूत लोकतंत्र में जनसामान्य की सक्रिय भागीदारी पर बल दिया। उन्होंने कहा कि कल्याणकारी राज्य की स्थापना के लिए लोकतंत्र आवश्यक है। साथ ही संविधान में दिए गए मूल अधिकारों एवं मूल कर्तव्यों की भी व्याख्या की। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्राध्यापक स्वीटी राय ने किया।

सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्रों पर होगा आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम

■ एक सत बुलेटिन, भिण्ड

सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत जिला भिण्ड के समस्त 2452 आंगनवाड़ी केंद्रों पर आंगन मिलन सेवा का आयोजन किया जाएगा। महिला बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग के इस संयुक्त कार्यक्रम के तहत विभिन्न गतिविधियों के लिए आंगनवाड़ी केन्द्रों पर बच्चों के साथ उनकी माताओं को आमंत्रित किया जायेगा। इस दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी सहायिका का आशा कार्यकर्ता का सम्मान किया जायेगा। पोषण, मातृ सहायता, टीकाकरण और सामुदायिक सेवा को सरल कहानियों के माध्यम से

लाभार्थियों तक पहुंचाया जाएगा। कार्यक्रम के तहत शिक्षा, महिला कल्याण, बाल विकास और कुपोषण से जुड़ी नीतियों एवं योजनाओ की जानकारी दी भी जायेगी। बच्चों को मिठाई और फलों का वितरण किया जाकर लाभार्थी माताओ द्वारा अपने अनुभव साझा किये जायेंगे। कार्यक्रम के तहत 26 सितंबर को आंगनवाड़ी केंद्रों की गुब्बारे, रंगोली से साज-सज्जा की जाएगी। 27 सितंबर को गर्भवती मिलन दिवस और 28 सितंबर को धात्री और शिशु मिलन दिवस आयोजित किया जाएगा जिसमें स्वास्थ्य परीक्षण और खान पान संबंधी परामर्श शामिल है। 29 सितंबर को वृद्धि निगरानी दिवस, 30 सितंबर को पोषण प्रदर्शन दिवस, 1 अक्टूबर को सुपोषण व भोजन गुणवत्ता दिवस, 2 अक्टूबर को ईसीसीई दिवस, 3 अक्टूबर को स्वास्थ्य और टीकाकरण दिवस और 4 अक्टूबर को किशोरी दिवस के रूप में मनाया जाएगा। 4 अक्टूबर को पिता सम्मेलन होगा। 5 अक्टूबर को पंचायत भवन में पोषण मेला और खाद्य प्रदर्शनी लगाई जाएगी तथा छूटे हुए हितग्राहियों से गृह भेंट कर सम्पर्क किया जाएगा।

महतारी वंदन योजना की राशि से खरीदी सिलाई मशीन, घर से शुरू किया स्कूल यूनिफॉर्म सिलाई का काम

रायपुर, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष सेवा, समर्पण और जनकल्याण के लिए समर्पित रहे हैं। समाज के हर वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के प्रयासों का असर आज देश के साथ छत्तीसगढ़ के गांवों में भी दिखाई दे रहा है। शासकीय योजनाएं जरूरतमंद परिवारों के लिए आर्थिक संबल बनने के साथ उन्हें आत्मनिर्भरता की नई राह भी दिखा रही हैं। दुर्ग जिले के ग्राम भरर की निवासी श्रीमती दुर्गेश्वरी धीवर के जीवन में महतारी वंदन योजना ऐसी ही उम्मीद लेकर आई। छोटे बच्चों की परवरिश और घर की जिम्मेदारियों के कारण उनके लिए घर से बाहर जाकर मजदूरी या कोई अन्य काम करना संभव नहीं था। परिवार का सहारा बनने और अपनी

आय का साधन शुरू करने की इच्छा थी, लेकिन संसाधनों की कमी रास्ते में बाधा बनी हुई थी। मार्च 2024 में महतारी वंदन योजना की शुरुआत के बाद उन्हें नियमित आर्थिक सहायता मिलने लगी। दुर्गेश्वरी ने इस राशि को घरेलू खर्च में समाप्त करने के बजाय भविष्य संवारने के लिए बचत करने का निर्णय लिया। उन्होंने हर महीने मिलने वाली राशि में से थोड़ी-थोड़ी बचत की और इसी बचत से सिलाई मशीन खरीदी।

नवा रायपुर में 32वें अखिल भारतीय राज्य निर्वाचन आयुक्त सम्मेलन का भव्य शुभारंभ

राज्यपाल ने किया 'छत्तीसगढ़ स्थानीय निकाय चुनाव ईयर बुक-2026' का विमोचन

■ एक सत बुलेटिन, रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजधानी नवा रायपुर अटल नगर में 32वें अखिल भारतीय राज्य निर्वाचन आयुक्त सम्मेलन का आज भव्य शुभारंभ हुआ। लगभग 11 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद छत्तीसगढ़ को इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी का अवसर मिला है। सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका ने दीप प्रज्वलित कर किया। नवा रायपुर में 32वें अखिल भारतीय राज्य निर्वाचन आयुक्त सम्मेलन का भव्य शुभारंभ शुभारंभ समारोह के विशेष अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका ने Chhattisgarh Local Body Election Year Book-2026' के प्रथम संस्करण का विमोचन भी किया। यह प्रकाशन छत्तीसगढ़ में स्थानीय निकाय निर्वाचन की प्रक्रिया, उपलब्धियों, नवाचारों और चुनावी व्यवस्थाओं का महत्वपूर्ण दस्तावेज प्रस्तुत करता है। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री रमेन डेका ने स्थानीय निकायों एवं त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचन प्रक्रिया को अधिक सशक्त, पारदर्शी, समावेशी और तकनीक-सक्षम बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि

लोकतंत्र की मजबूती में स्थानीय स्वशासी संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है और इनके निर्वाचन की प्रक्रिया में निरंतर सुधार तथा आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग आवश्यक है। इस अवसर पर राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह ने स्वागत उद्बोधन दिया।

उन्होंने सम्मेलन में देशभर से आए राज्य निर्वाचन आयुक्तों, वरिष्ठ अधिकारियों एवं निर्वाचन विशेषज्ञों का स्वागत करते हुए सम्मेलन के उद्देश्यों और स्थानीय निकाय निर्वाचन को अधिक प्रभावी एवं आधुनिक बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। छत्तीसगढ़ शासन के मुख्य सचिव श्री विकास शील ने भी सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने स्थानीय स्वशासन, निर्वाचन प्रक्रिया को प्रभावी बनाने तथा प्रशासन और निर्वाचन संस्थाओं के बीच बेहतर समन्वय के महत्व पर अपने विचार रखे। सम्मेलन के दौरान स्थानीय निकाय एवं पंचायत चुनावों से जुड़े समसामयिक विषयों, डिजिटल पहलों, तकनीकी नवाचारों तथा निर्वाचन प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने के उपायों पर व्यापक विचार-विमर्श किया जा रहा है। समारोह में राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री अजय सिंह एवं आयोग की सचिव श्रीमती शिखा राजपूत तिवारी सहित आयोग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे और अतिथियों का स्वागत किया।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति भोपाल के लिए, प्रकाशक एवं मुद्रक, **संपादक अमित शर्मा** द्वारा ए -1 माचना कॉलोनी , शा. राजीव गांधी स्कूल के पास, शिवाजी नगर, भोपाल (मप्र) पिन - 462016 से प्रकाशित एवं विनर प्रिंटर्स प्लाट 241-242 डायनामिक सेन्टर, एमपी नगर जोन-1 भोपाल से मुद्रित। **स्थानीय संपादक सुनील नायक**, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI- MPHIN/2018/76807/ E-mail-eksatbulletin@gmail.com, डाक पंजीयन नंबर MP/BHOPAL/4-501/2020-22, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु संपर्क करें- फोन: 0755-4515227, मोबाइल: 9691653088

दादाजी धाम में तीन पर्वों पर विशेष पूजन

भोपाल। रायसेन रोड, पटेल नगर स्थित दादाजी धाम मंदिर में गुरुवार को संतान सप्तमी, विश्वकर्मा जयंती और गणेश उत्सव के अवसर पर विशेष पूजन–अर्चन किया जाएगा। इस दौरान भगवान शिव–पार्वती, प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश और देवशिल्पी भगवान विश्वकर्मा की विधि–विधान से आराधना होगी।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने शहडोल में सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों की समीक्षा की

शिविरों में संकलित रक्त का व्यवस्थित संधारण एवं सुरक्षित रख-रखाव किया जाये सुनिश्चित

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

उप मुख्यमंत्री एवं शहडोल जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से शहडोल जिले में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों एवं विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाली सभी गतिविधियों का व्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से संचालन सुनिश्चित किया जाए। सभी कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करने के भी निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के साथ पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने पर विशेष ध्यान दिया जाए।

17 सितम्बर को रक्तदान शिविरों का आयोजन उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने 17 सितम्बर को आयोजित होने वाले रक्तदान शिविरों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि शिविरों में संकलित रक्त का व्यवस्थित संधारण एवं सुरक्षित रख-रखाव सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने रक्तदान शिविरों के सफल आयोजन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्व से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसेवा संकल्प यात्रा में जनसंवाद एवं आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित हों उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने जनसेवा संकल्प यात्रा की तैयारियों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि यात्रा के दौरान निर्धारित सभी आयोजन व्यवस्थित रूप से संपन्न किए जाएं। यात्रा में शामिल दल एवं स्थानीय जनता के बीच प्रभावी संवाद सुनिश्चित किया जाए। यात्रियों के ठहरने एवं भोजन की समुचित व्यवस्था के साथ निर्धारित रूट एवं कार्यक्रम के अनुसार सभी आवश्यक व्यवस्थाएं संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय से पूर्ण करें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिले के विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में निबंध एवं रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन प्रतियोगिताओं का व्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित किया जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने आंगनवाड़ी केन्द्रों में आयोजित होने वाले 'आंगन का मिलन' कार्यक्रम की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यक्रम के अंतर्गत निर्धारित सभी गतिविधियों का व्यवस्थित रूप से आयोजन किया जाए। आंगनवाड़ी केन्द्रों में कार्यक्रमों की नियमित निगरानी एवं आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर श्री पार्थ जायसवाल एवं सीईओ जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति ने सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों की व्यवस्थाओं की जानकारी दी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान विधायक जैतपुर श्री जयसिंह मरावी, जिला योजना समिति सदस्य श्रीमती अमिता चपरा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। शहडोल जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को अभियान के दौरान जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। साथ ही 17 सितंबर को होने वाले रक्तदान शिविरों में एकत्रित रक्त के सुरक्षित संधारण और 'जनसेवा संकल्प यात्रा' सहित विभिन्न गतिविधियों की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा।

शोध में ईमानदारी और नवाचार से ही वैश्विक पहचानः ज्ञानदीप-2026 में देश भर के शिक्षाविदों ने साझा किए विचार

■ एक सत बुलेटिन, **जबलपुर।**

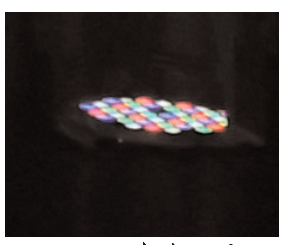

मंगलायतन विश्वविद्यालय जबलपुर में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन ज्ञानदीप-2026 में शोध की गुणवत्ता, अकादमिक ईमानदारी, नवाचार और अंतर्विषयक अनुसंधान को लेकर देशभर से आए शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और विद्यार्थियों ने मंथन किया। विषय पर 7 और 8 सितंबर को आयोजित सम्मेलन में गुणवत्तापूर्ण शोध संस्कृति को मजबूत करने पर जोर दिया गया। सम्मेलन का शुभारंभ 7 सितंबर को सुबह 10 बजे हुआ। प्रो. आशीष मिश्रा ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। शास्त्रीय नृत्य, सरस्वती वंदना और राष्ट्रगीत वंदे मातरम् की प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ हुआ। अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ की निदेशक प्रो. एम. वसुजा देवी ने स्वागत उद्बोधन दिया। कुलगुरु प्रो. चिंत सुधाकर ने कहा कि उच्च शिक्षा की वास्तविक पहचान गुणवत्तापूर्ण और नैतिक शोध से होती है। ज्ञानदीप-2026 जैसे सम्मेलन शोधार्थियों और शिक्षकों को नवाचार, अकादमिक ईमानदारी और वैश्विक शोध मानकों से जोड़ने का प्रभावी मंच प्रदान करते हैं। पनामा के पूर्व निदेशक वैज्ञानिक ने बताया गुणवत्तापूर्ण शोध का महत्व पहले दिन का प्रमुख आकर्षण प्रख्यात वैज्ञानिक एवं विशिष्ट प्रोफेसर प्रो. के.एस. जगन्नाथ राव का मुख्य व्याख्यान रहा। वे इंडिकासैट एआईपी, पनामा के पूर्व निदेशक हैं। उन्होंने वैश्विक शोध परिदृश्य, अनुसंधान में नैतिकता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और गुणवत्तापूर्ण शोध की आवश्यकता पर विचार रखे। उनका संबोधन शोधार्थियों और शिक्षकों के लिए प्रेरणादायी रहा।

महापौर ने विसर्जन घाटों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के दिए निर्देश

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

डोल ग्यारस और अनंत चतुर्दशी पर गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन की तैयारियों को लेकर महापौर मालती राय ने बुधवार को प्रेमपुरा, कमलापति और खटलापुरा विसर्जन घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने घाटों और चल समारोह मार्गों की मरम्मत, रंगाई-पुताई, साफ-सफाई तथा पर्याप्त विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। महापौर ने प्रेमपुरा घाट एवं विसर्जन कुंड के समतलीकरण, निर्माल्य सामग्री के लिए पर्याप्त कंटेनर, गोताखोरों की तैनाती तथा क्रेन, पोकलेन और फायर ब्रिगेड की व्यवस्था करने को कहा। कमलापति घाट पर सफाई व्यवस्था बेहतर करने के साथ स्वच्छ भारत मिशन के तहत दीवारों पर चित्रकारी कराने के निर्देश दिए।

खटलापुरा घाट पर विसर्जन कुंड की सफाई, रंगाई-पुताई और सीढ़ियों की मरम्मत के साथ पेविंग ब्लॉक व्यवस्थित करने को कहा गया। महापौर ने सभी घाटों को पॉलिथीन और कचरा मुक्त रखने की अपील की। उन्होंने नागरिकों से घरों की छोटी गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन निगम द्वारा बनाए गए अस्थायी विसर्जन कुंडों में करने का आग्रह किया।

मादक पदार्थ गांजा की अवैध सप्लाई में संलिप्त महिला आरोपी बरगढ़, उड़ीसा से गिरफ्तार

■ एक सत बुलेटिन, **जबलपुर।**

थाना जीआरपी जबलपुर पुलिस द्वारा मादक पदार्थ गांजा के अवैध विक्रय एवं लेन-देन के प्रकरण में कार्रवाई करते हुए लंबे समय से फरार चल रही महिला आरोपी को बरगढ़, उड़ीसा से दस्तयाब कर गिरफ्तार किया गया है। थाना जीआरपी जबलपुर में अपराध धारा 8/20 एवं 29 एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण में विवेचना के दौरान प्राप्त साक्ष्यों एवं गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर महिला आरोपी लीजा रानी साहू, पति साजन साहू, उम्र लगभग 45 वर्ष, निवासी बरगढ़, उड़ीसा, की संलिप्तता सामने आई। उक्त आरोपी महिला बरगढ़, उड़ीसा से गांजा की सप्लाई करवा रही थी तथा प्रकरण दर्ज होने के बाद से लंबे समय से फरार चल रही थी। पुलिस टीम द्वारा लगातार पतासाजी एवं तकनीकी जानकारी के आधार पर आरोपी महिला को बरगढ़, उड़ीसा से दस्तयाब कर विधिवत गिरफ्तार किया गया। आरोपी महिला से पूछताछ एवं प्रकरण में प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर गांजा के अवैध विक्रय, लेन-देन एवं सप्लाई में उसकी संलिप्तता के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई है। कार्रवाई के दौरान आरोपी महिला का मोबाइल फोन, अनुमानित कीमत ?15,000/-, जप्त किया गया। थाना प्रभारी जीआरपी जबलपुर उप निरीक्षक संजिवनी राजपूत के नेतृत्व में उप

निरीक्षक जगन्नाथ सिंह, प्रधान आरक्षक मनोज मिश्रा, प्रधान आरक्षक सत्येन्द्र सिंह, प्रधान आरक्षक अरुण तिवारी, प्रधान आरक्षक रविकांत, प्रधान आरक्षक परशुराम, प्रधान आरक्षक सागर उपाध्याय, महिला आरक्षक वर्षा एवं मनीषा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

प्रधानमंत्री स्व निधि योजना से अधिक से अधिक हितग्राहियों को करें लाभान्वितः संभागायुक्त

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस एवं सार्वजनिक जीवन में जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भोपाल संभाग के सभी जिलों में 17 सितंबर को ''सेवा संकल्प अभियान'' के तहत विभिन्न सेवा, जनभागीदारी एवं सामाजिक सरोकार से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जाएगी। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की समीक्षा बैठक में संभागायुक्त श्री शर्मा ने कहा कि सभी जिलों में आयोजित होने वाली गतिविधियों की जानकारी ली एवं नगरीय निकायों के सीएमओ को निर्देशित किया कि गरिमामय कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त आयुक्त डॉ. विनोद यादव, उप संचालक नगरीय निकाय श्री नीलेश दुबे सहित संभाग के सभी जिलों के नगरीय निकायों के सीएमओ वीसी के माध्यम से जुड़े थे। संभाग के सभी जिलों के नगरीय निकायों में स्वच्छ पेय जल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी वॉटर वाडिज का निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए।

नगरीय निकाय एवं स्वास्थ्य विभाग समन्वय के साथ मिलकर पेयजल संबंधी बीमारियों पर विशेष ध्यान के साथ क्षेत्रवार निगरानी करें और प्राथमिकता के साथ पेयजल, पाईप लाईन एवं स्त्रोत की नियमित साफ - सफाई करें। इसलिए सभी अधिकारी जिले स्तर पर लीड बैंक अधिकारी के साथ मिलकर लोन आवेदनों के लिए आवश्यक दस्तावेजों की चैक लिस्ट तैयार कर विशेष ड्राइव चलाकर अधिक से अधिक प्रकरणों की स्वीकृति एवं ऋण वितरण सुनिश्चित करें।

रवि शर्मा बने जिला मीडिया प्रभारीए भाजपा महानगर के 6 जिला पदाधिकारी घोषित

■ एक सत बुलेटिन, **जबलपुर।**

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश अध्यक्ष श्री हेमंत खंडेलवाल जी की सहमति से भाजपा जबलपुर महानगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने भाजपा जबलपुर महानगर के शेष 6 पदाधिकारीयों की नियुक्ति की है।भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर द्वारा की गई नियुक्तियो में रवि शर्मा को जिला मीडिया प्रभारी, अनिल सिंह चौहान को जिला प्रचार मंत्री, राजेश रोहरा को कार्यालय प्रभारी एवं राहुल तिवारी को सह कार्यालय प्रभारी बनाया गया है। उल्लेखनीय है रवि शर्मा इसके पूर्व जिला सह मीडिया प्रभारी के दायित्व में थे, उनके अनुभव एवं कार्यकुशलता के दृष्टिगत उन्हें जिला मीडिया प्रभारी बनाया गया है साथ ही संगठन के कार्यो को गति देने अन्य पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है। जबलपुर महानगर के नवनियुक्त पदाधिकारियों को लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह के साथ जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्ष एवं कार्यकर्ताओ ने शुभकामनायें देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की है।

डीआरएम ने रानी कमलापति-चारखेड़ा रेलखंड का किया विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज त्यागी ने रानी कमलापति-चारखेड़ा रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रेलखंड में संरक्षा, परिचालन व्यवस्था तथा रेलवे परिसंपत्तियों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डीआरएम श्री पंकज त्यागी ने चारखेड़ा, पगढाल एवं टिमरनी रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण कर यात्रियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं एवं स्टेशन पर संरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने स्टेशन परिसर, यात्री सुविधाओं, साफ-सफाई, प्लेटफॉर्म, यात्री आवागमन से संबंधित व्यवस्थाओं सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाए रखने तथा संरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत निर्माणाधीन बनापुरा रेलवे स्टेशन का भी जायजा लिया। उन्होंने स्टेशन पुनर्विकास के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की तथा कार्य की गुणवत्ता, समयबद्धता एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप निर्माण सुनिश्चित करने के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने यात्रियों की सुविधा एवं स्टेशन के भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने पर विशेष जोर दिया। डीआरएम श्री पंकज त्यागी ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देशित किया कि रेलवे परिचालन में संरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए रेलखंड एवं स्टेशनों पर संरक्षा से जुड़े प्रत्येक पहलू की नियमित निगरानी की जाए तथा किसी भी संभावित कमी को तत्काल दूर किया जाए। साथ ही यात्रियों को बेहतर, स्वच्छ एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएं। निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) श्री रामेन्द्र पाण्डेय सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सेंट्रल इंडिया प्रेस क्लब द्वारा आयोजित राष्ट्रीय मीडिया संवाद एवं लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड-2026 समारोह

पत्रकार दीवार बन कर अवमूल्यन रोकें: नरेंद्र सिंह तोमर

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

पत्रकारिता ही नहीं वर्तमान परिस्थितियों में जीवन का हर क्षेत्र अवमूल्यन से गुजर रहा है। समय-समय पर लोग प्रयत्न करते हैं कि यह क्षरण रुके और मूल्य स्थापित हों। यह मिली-जुली प्रक्रिया चलती रहती है। इसी के कारण संतुलन बना रहता है। पत्रकारिता सभी को दिशा देने का काम करती है और यह उसकी जिम्मेदारी भी है। पत्रकार विचार करें कि मूल्यांकन के इस दौर में वे कैसे दीवार बनकर अवमूल्यन को रोक सकते हैं और मूल्य की स्थापना में अपना योगदान दे सकते हैं। पत्रकार स्वयं से जितना यह सवाल करेंगे और इसका उत्तर खोजेंगे समाज का उतना ही अधिक दिग्दर्शन होगा। मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने यह आग्रह सेंट्रल इंडिया प्रेस क्लब द्वारा आयोजित राष्ट्रीय मीडिया संवाद एवं लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड-2026 समारोह में मुख्य अतिथि के रूप बोलते हुए किया। कार्यक्रम में पूर्व राज्यपाल श्री कप्तान सिंह सोलंकी, उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ला, सहकारिता एवं खेल मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष श्री रघु ठाकुर, पूर्व मंत्री व वरिष्ठ नेता श्री सुरेश पचौरी के आतिथ्य में हुए इस कार्यक्रम में प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकार श्री महेश श्रीवास्तव, एनके सिंह, राजेंद्र शर्मा, विजयदत्त श्रीधर सहित वरिष्ठ पत्रकारों को उनकी सुदीर्घ पत्रकारिता के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश जनसंपर्क विभाग की कमान संभाल चुके आईएएस अधिकारियों को भी सम्मानित किया गया। सम्मान उपरांत विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर ने कहा कि जीवन के हर क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा होती ही है और जहां प्रतिस्पर्धा है वहां प्रोत्साहन भी होना चाहिए। पत्रकारिता के क्षेत्र में भी नई पीढ़ी को समय-समय पर अपने वरिष्ठों के प्रोत्साहन की आवश्यकता होती है। श्री तोमर ने अनुभव की तुलना बरगद से करते हुए कहा कि 50 साल पुराना बरगद का पेड़ कुछ लोगों को छाया देता है लेकिन 100 साल पुराना बरगद का पेड़ अधिक समाज को छाया देता है। कार्यक्रम में सम्मानितक वरिष्ठ पत्रकार भी ऐसे ही वट वृक्ष की तरह हैं जिनकी छाया जब-जब नई पीढ़ी को मिलेगी वह निश्चित रूप समृद्ध होगी।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अमित शर्मा** द्वारा प्रकाशन स्थल बी-9 विवेक विहार कॉलोनी, लश्कर ग्वालियर (म.प्र.) पिन-474001 से प्रकाशित एवं सर्वोदय ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, नया बाजार केनरा बैंक के पास ग्वालियर (म.प्र.)-474001 से मुद्रित। स्थानीय संपादक राजीव शुक्ल* पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI - MPHIN/2019/79098/ E-mail: EKSATBULLETIN@GMAIL.COM, WWW.EKSATBULLETIN.IN, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु हेड ऑफिस संपर्क करें- ए-1 माचना कॉलोनी, शा.राजीव गांधी हाई स्कूल शिवाजी नगर 6 नंबर बस स्टाप पास भोपाल। फोन: 0755-4515227, मोबाइल: 9691653088